तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,रविवार 22 मार्च 2026 ■ चैत्र शुक्ल पक्ष-04 ■ वर्ष -41 ■ अंक-348 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 23 मार्च 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

खल्लारी मंदिर रोप-वे हादसा : घायल युवती की हुई मौत, 6 श्रद्धालुओं की हालत गंभीर

महासमुंद,22 मार्च।

जिले के खल्लारी स्थित प्रसिद्ध खल्लारी मंदिर में आज सुबह बड़ा हादसा हुआ। मंदिर में संचालित रोप-वे का केबल अचानक टूट गया। घटना के समय ट्रॉली में श्रद्धालु सवार थे, जिससे अफरा-तफरी मच गई। केबल टूटते ही ट्रॉली झटके के साथ नीचे आ गिरी, जिससे 17 से 18 श्रद्धालु घायल हो गए। इस हादसे में रायपुर की रहने वाली एक युवती की मौत की पुष्टि हुई है। जबकि, 6 की हालत गंभीर है। चैत्र नवरात्र के चलते मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ थी। इस हादसे से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया, लेकिन मंदिर प्रबंधन और पुलिस ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार 17 से 18 श्रद्धालु गंभीर और मामूली चोटों के साथ घायल हुए हैं। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल, महासमुंद भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं रायपुर की रहने वाली एक युवती आयुषी की मौत की पुष्टि हुई है।

खल्लारी रोप-वे हादसे को मुख्यमंत्री साय ने बताया 'दुखद'

रायपुर,22 मार्च। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महासमुंद जिला स्थित प्रसिद्ध खल्लारी मंदिर में आज सुबह हुए रोप-वे हादसे को दुखद बताया. उन्होंने कहा कि घटना की जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज कवर्धा और बलौदाबाजार जिले के दौर पर रवाना होने से पहले मीडिया से चर्चा की. उन्होंने बताया कि कवर्धा में लोधी समाज द्वारा अवंति बाई की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें शामिल होंगे. इसके अलावा बलौदाबाजार में गोंडवाना समाज की ओर से आयोजित आदर्श विवाह समारोह में शामिल होंगे. वहीं शाम को केरल के दौरे को लेकर कहा कि कल (केरल विधानसभा चुनाव के लिए) बीजेपी प्रत्याशियों का नामांकन है. उसमें शामिल होने जा रहे हैं. विधानसभा में पारित धर्म स्वातंत्र्य विधेयक को लेकर मिल रही लोगों से बधाई पर कहा कि कल हम सरगुजा गए थे, वहां अनुसूचित जनजाति मोर्चा ने मुलाकात के दौरान विधेयक का स्वागत किया. रायपुर में भी सीएम हाउस पहुंचे लोगों ने धन्यवाद दिया.

मोदी के नाम हुआ एक और रिकॉर्ड

नई दिल्ली,22 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के राजनीतिक इतिहास में एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। वे भारत में सरकार के प्रमुख (मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री मिलाकर) के रूप में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले राजनेता बन गए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस ऐतिहासिक उपलब्धि की जानकारी साझा करते हुए प्रधानमंत्री को बधाई दी। आज प्रधानमंत्री मोदी ने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों के कार्यकाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। सरकार के प्रमुख के रूप में सार्वजनिक कार्यालय में 8,931 दिन पूरे कर पीएम मोदी ने यह नया मील का पत्थर स्थापित किया है। राजनाथ सिंह ने इसे देश के प्रति उनके अटूट समर्पण और 'राष्ट्र प्रथम' की नीति का परिणाम बताया। रक्षा मंत्री ने अपने संदेश में प्रधानमंत्री के अब तक के सफर को रेखांकित करते हुए कहा कि पीएम मोदी का जीवन देश और उसके लोगों के प्रति पूर्ण भक्ति का उदाहरण है। उनके कार्यकाल की शुरुआत गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में हुई, जहां उन्होंने विकास के नए मानक स्थापित किए। मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री तक का उनका सफर निरंतर सेवा और जनकल्याण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि यह

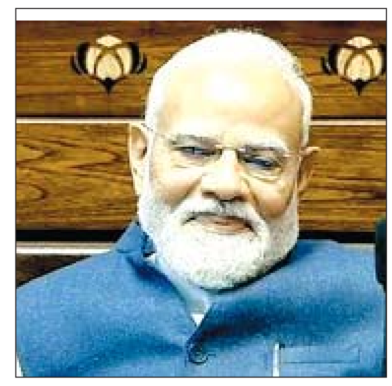

उपलब्धि केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शासन में ईमानदारी और प्रत्येक नागरिक के प्रति उनके अथक परिश्रम का प्रतिबिंब है। उन्होंने लिखा, ''हृदय की गहराइयों से मोदी जी को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई। उनका नेतृत्व सत्यनिष्ठा और सेवा की भावना से ओत-प्रोत है।''

रायपुर में अवैध गैस सिलेंडर का भंडारण 16 सिलेंडर जब्त

रायपुर,22मार्च। राजधानी में अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खमतराई पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस उपायुक्त (नार्थ जोन) मयंक गुर्जर के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आकाश मरकाम और सहायक पुलिस आयुक्त उरला पूर्णिमा लामा के नेतृत्व में अवैध कारोबार पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसी कड़ी में खमतराई पुलिस को सूचना मिली कि बंजारी मंदिर के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से घरेलू गैस सिलेंडर का भंडारण कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और आरोपी संजय साहू को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी गैस सिलेंडरों से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 16 नग इंडियन घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 64 हजार रुपये बताई जा रही है। मामले में थाना खमतराई में धारा 106 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने जब्त सिलेंडरों के संबंध में खाद्य विभाग को भी सूचना भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आरोपी संजय साव, उम्र 30 वर्ष, रावाभाठा क्षेत्र का निवासी है। पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है।

सुकमा में बड़ी साजिश नाकाम

सुकमा,22 मार्च। जिले में सुरक्षाबलों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नक्सलियों की साजिश को नाकाम कर दिया। सर्चिंग अभियान के दौरान तीन शक्तिशाली आईईडी बरामद किए गए, जिन्हें बाद में सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया गया। इन आईईडी का वजन क्रमशः 1 किलो, 2 किलो और 4 किलो था, जिन्हें सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से लगाया गया था। जानकारी के अनुसार, 226 बटालियन की टीम सर्चिंग पर निकली थी। इसी दौरान जगरगुंडा-नरसापुरम मार्ग पर माओवादियों द्वारा लगाए गए आईईडी का पता चला। इलाके में खतरे को देखते हुए तुरंत बम निरोधक दस्ता, डीएसएमडी टीम और डॉग स्क्वायड को मौके पर बुलाया गया। विशेष टीमों की मदद से सभी आईईडी को मौके पर ही निष्क्रिय कर नष्ट कर दिया गया। इसके बाद सर्चिंग टीम सुरक्षित वापस बटालियन मुख्यालय लौट आई। इस कार्रवाई से एक बड़ी घटना टल गई। सुरक्षाबलों का कहना है कि इस बरामदगी से क्षेत्र में नक्सलियों की सक्रियता के संकेत मिलते हैं। ऐसे में लगातार सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, तय समयसीमा 31 मार्च तक इलाके को नक्सल मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

संजय वन वाटिका में कुत्तों के काटने से 15 हिरणों की मौत

अंबिकापुर,22 मार्च। नगर स्थित संजय वन वाटिका में कुत्तों के काटने से 15 हिरणों की मौत की खबर है. डीएफओ अभिषेक जोगावत ने घटना की पुष्टि करते हुए जांच के लिए टीम गठित कर दो दिन के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है. जानकारी के अनुसार, दो दिन पहले संजय वन वाटिका में 4-5 कुत्तों ने बाड़े में घुसकर हिरणों पर हमला किया था, जिसमें 15 हिरणों की मौत हो गई. वाटिका प्रबंधन ने घटना को दबाने के लिए पीछे जंगल में चुपचाप 14 हिरणों के शव को भी जला दिया. घटना की जानकारी मिलने पर डीएफओ अभिषेक जोगावत मौके पर पहुंचे.

1 अप्रैल से दुर्ग-रायपुर खारून नदी ब्रिज एक माह के लिए मरम्मत के चलते रहेगा बंद

रायपुर,22 मार्च। नेशनल हाईवे 53 कुम्हारी टोल के पास खारून नदी ब्रिज जिला दुर्ग को रायपुर से जोड़ने हेतु मुख्य मार्ग है जहां प्रतिदिन लगभग डेढ़ लाख छोटे बड़े वाहनों की आवाजाही रहती है,, काफी संख्या में लोग दुर्ग से रायपुर प्रतिदिन आवागमन करते हैं ब्रिज के मरम्मत कार्य से ट्रैफिक आवागमन में ब्रिज के दोनों तरफ लंबी कतार //जाम लगना संभावित है, रायपुर एयरपोर्ट, नया रायपुर, मंत्रालय,पुलिस मुख्यालय,आरंग,अभनपुर, की ओर आने वाले वाहन चालक सेलूद –पाटन –अभनपुर– मार्ग का उपयोग करें.दुर्ग भिलाई रिसाली उतई से रायपुर आने वाले वाहन चालक सेलूद –फूंडा—जामगांव— मोतीपुर—अमलेश्वर— से रायपुर आने वाले मार्ग का उपयोग करें. चरोदा कुमारी भिलाई 3 से रायपुर की ओर आने वाले वाहन चालक सिरसा गेट– मोतीपुर –अमलेश्वर –से रायपुर –मार्ग का उपयोग करें.कुम्हारी अहिवारा से रायपुर आने वाले वाहन चालक कुम्हारी –उरला –खमरिया– अमलेश्वर मार्ग का उपयोग करें.कुम्हारी टोल से रायपुर की ओर आने वाले वाहन चालक कुमारी टोल बाद चन्दनीडीह तक वन वे मार्ग का उपयोग करें.रायपुर से दुर्ग जाने वाले वाहन चालक जैसे कार चालक एवं बाइक चालक चन्दनडीह ग्राम से लेफ्ट होकर पुराना रपटा/पुल का प्रयोग कर कुम्हारी टोल तक जा सकेंगे.रायपुर से दुर्ग की ओर जाने वाले कार एवं मोटरसाइकिल भटगांव से अमलेश्वर मोतीपुर होकर दुर्ग /रायपुरा से अमलेश्वर मोतीपुर होकर भिलाई एवं दुर्ग जाने इस मार्ग का उपयोग करे! अपील : सभी वाहन चालकों से अपील है कि परिवर्तित मार्ग का अधिक से अधिक उपयोग करें, एवं आवश्यक कार्य जैसे एयरपोर्ट हॉस्पिटल रेलवे स्टेशन प्रतियोगी परीक्षाएं, अन्य परीक्षाएं आदि के लिए रायपुर आने वाले उक्त वाहन चालक रिपेयरिंग कार्य के दौरान अतिरिक्त समय लेकर रायपुर की तरफ आना सुनिश्चित करें.

200 लोगों को ट्रेलर में बिठाकर दौड़ा रहा था बेलगाम, चालक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायपुर,22 मार्च

आए दिन सड़क दुर्घटना में मालवाहकों में सवार लोगों की मौत की भले ही अनेकोनेक खबर आ जाए, चाहे पुलिस तमाम प्रचार-प्रसार कर ले, लेकिन लोग सुधरने को तैयार ही नहीं हैं. ऐसा ही वाकया रायपुर ग्रामीण इलाके में देखने को मिला, जहां ट्रेलर में पच्चीस-पचास नहीं बल्कि करीबन दो सौ लोगों को बिठाकर चालक बेलगाम दौड़ा रहा था, जिसे चेकिंग के दौरान पुलिस ने पकड़ा. रायपुर ग्रामीण के खरोरा थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मी चेकिंग के दौरान देखकर हैरान रह गए, जब तेज रफ्तार मालवाहक (ट्रेलर) में दो सौ से भी ज्यादा लोग सवार होकर जा रहे थे. इस पर गाड़ी को रोककर पुलिस ने पूछताछ की, तो गाड़ी का ड्राइवर मौके पर ही पुलिस से हुज्जत करने लगा. इस पर पुलिस ट्रेलर में

सवार लोगों के साथ चालक को खरोरा थाने लाई. थाने में आरोपी चालक शोभित राम निषाद (30 वर्ष) के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) धारा 281 और मोटर व्हीकल एक्ट धारा 184 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया. वहीं गाड़ी में मौजूद सवारियों को दो बसों और 5 क्रूजर के जरिए उनके गांव रवाना किया. इस घटना के पुलिस ने एक बार लोगों से अपनी जान जोखिम में न डालते हुए, मालवाहक वाहनों में सफर न करने की अपील की है.

ऑपरेशन सर्चलाइटः बंगाली हिंदुओं पर अत्याचार को नरसंहार घोषित किया जाए, अमेरिका में उठी मांग

वाशिंगटन,22 मार्च। अमेरिकी सांसद ग्रेग लैंड्सैन ने प्रतिनिधि सभा में मांग की है कि 25 मार्च 1971 को बंगाली हिंदुओं पर किए गए पाकिस्तानी सेना के अत्याचार को युद्ध अपराध और नरसंहार का दर्जा दिया जाए। पाक सेना के इस ऑपरेशन में लाखों हिंदू मारे गए थे। अमेरिकी सांसद ग्रेग लैंड्समैन ने प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें मांग की गई है कि पाकिस्तानी सेना और उसके सहयोगी संगठन जमात-ए-इस्लामी द्वारा 25 मार्च 1971 को बंगाली हिंदुओं के खिलाफ किए गए अत्याचारों को 'युद्ध अपराध और नरसंहार' माना जाए। ओहायो से डेमोक्रेट सांसद लैंड्समैन ने शुक्रवार को यह प्रस्ताव पेश किया, जिसे अब विदेश मामलों की समिति को भेज दिया गया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि 25 मार्च 1971 की रात पाकिस्तान सरकार ने शेख मुजीबुर रहमान को गिरफ्तार कर लिया और उसकी सेना ने जमात-ए-इस्लामी की विचारधारा से प्रेरित उग्र इस्लामी समूहों के साथ मिलकर पूर्वी पाकिस्तान में 'ऑपरेशन सर्चलाइट' नाम से एक व्यापक दमन अभियान शुरू किया, जिसमें नागरिकों का बड़े पैमाने पर नरसंहार किया गया। इसमें यह भी कहा गया है कि 28 मार्च 1971 को ढाका में अमेरिका के महावाणिज्य दूत आर्चर ब्लड ने वाशिंगटन को ''चुनिंदा नरसंहार'' शीर्षक से एक टेलीग्राम भेजा था, जिसमें उन्होंने लिखा था, ''पाकिस्तानी सेना के समर्थन से गैर-बंगाली मुसलमान गरीब बस्तियों पर संगठित हमले कर रहे हैं और बंगालियों तथा हिंदुओं की हत्या कर रहे हैं।''

जब बांग्लादेश पाकिस्तान का ही हिस्सा था तब 1970 में पहली बार पूर्वी पाकिस्तान में चुनाव हुए। इसमें शेख मुजीबुर्रहमान की जीत हुई। याह्या खान और जुल्फिकार अली भुट्टो इसके खिलाफ थे। 25 मार्च 1971 को पाकिस्तानी फौज लोगों पर टूट पड़ी। आवामी लीग के लोगों को ढूंढ ढूंढकर मारा जाने लगा। जल्द ही यह हिंसा अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढने लगी। आंकड़ों के मुताबिक पाकिस्तानी सेना के इस ऑपरेशन सर्चलाइट में 30 लाख लोग मारे गए थे और 4 लाख महिलाओं के साथ रेप हुआ था।लैंड्समैन ने बताया कि छह अप्रैल 1971 को आर्चर ब्लड ने अमेरिकी सरकार की चुप्पी पर आपत्ति जताते हुए एक संदेश भेजा था, जिस पर ढाका वाणिज्य दूतावास के 20 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे। इसे बाद में ''ब्लड टेलीग्राम'' के नाम से जाना गया। उस टेलीग्राम में कहा गया था, ''लेकिन हमने इस आधार पर हस्तक्षेप न करने का फैसला किया है कि अवामी संघर्ष, जिसमें दुर्भाग्यवश नरसंहार शब्द लागू होता है, एक संप्रभु देश का आंतरिक मामला है।''लैंड्समैन द्वारा लाए गए प्रस्ताव में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से आग्रह किया गया है कि वह 25 मार्च 1971 को बांग्लादेश के लोगों के खिलाफ पाकिस्तानी सशस्त्र बलों द्वारा किए गए अत्याचारों की निंदा करे।

असम में पुलिस कमांडो कैंप पर उग्रवादी हमला, चार जवान घायल

दिसपुर,22 मार्च। असम के तिनसुकिया जिले में रविवार को बड़ा उग्रवादी हमला हुआ है। इसमें पुलिस कमांडो कैंप में ग्रेनेड फेंका गया। अधिकारियों ने बताया कि हमले में चार जवान घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक अल्फा उग्रवादियों ने इस हमले को अंजाम दिया है। असम के तिनसुकिया जिले में रविवार को बड़ा उग्रवादी हमला हुआ है। इसमें पुलिस कमांडो कैंप में ग्रेनेड फेंका गया। अधिकारियों ने बताया कि हमले में चार जवान घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक अल्फा उग्रवादियों ने इस हमले को अंजाम दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक यह हमला शनिवार देर रात करीब दो बजे हुआ और 20 मिनट तक चला। कैंप में मौजूद एक अधिकारी ने बताया कि करीब दो बजकर एक मिनट पर हमने पहला धमाका सुना। इसके बाद लगातार धमाकों की आवाज आती रही। संदेह है कि यह धमाके मोर्टार से हो रहे थे। हमला लेखापानी पुलिस थाना के जगुन चौकी के अंतर्गत 10 मील क्षेत्र के पास स्थित शिविर में हुआ। यह असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा के करीब एक संवेदनशील क्षेत्र है। अधिकारियों ने बताया कि कम से कम पांच आरपीजी गोले शिविर पर दागे गए, जिनमें से चार कथित रूप से शिविर के अंदर फटे। उन्होंने आगे बताया कि धमाकों के बाद फायरिंग हुई। घायल कमांडोज का फिलहाल कैंप में ही इलाज किया जा रहा है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी चोट कितनी गंभीर है। अधिकारियों ने अभी तक हुई नुकसान को लेकर कोई विस्तृत बयान जारी नहीं किया है। तिनसुकिया के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मयंक कुमार झा के नेतृत्व में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की एक टीम घटना के तुरंत बाद वहां पहुंची। अधिकारियों ने कहाकि इस हमले के बाद तिनसुकिया जिले और ऊपरी असम के अन्य हिस्सों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

अभियान पुलिस का दोहरा प्रहारः 48,160 एकड़ की गांजे की अवैध फसल को किया नष्ट

ध्वस्त हुआ नशे का साम्राज्य, नक्सलियों की कमर टूटी

जगदलपुर,22 मार्च। छत्तीसगढ़ के पड़ेसी राज्य ओडिशा में पुलिस ने 1 जनवरी 2025 से 28 फरवरी 2026 तक नशे और माओवादी नेटवर्क पर लगातार अभियान चलाकर दोहरा प्रहार किया है। 14 महीने की यह कार्रवाई न सिर्फ अवैध गांजा की खेती और तस्करी को रोकने में सफल रही, बल्कि नक्सलियों के आर्थिक आधार को भी कमजोर कर दिया। इस अभियान में ओडिशा पुलिस ने 48,160 एकड़ में फैली अवैध गांजा की खेती को जड़ से नष्ट करते हुए 2,700 करोड़ के नशे के साम्राज्य पर बड़ा प्रहार किया है। जानकारी के मुताबिक, 48,160 एकड़ में फैली अवैध गांजा की खेती की कीमत लगभग 1,444 करोड़ रुपये आंकी गई है। साथ ही, राज्यभर में कुल 2,69,166 किलोग्राम तैयार गांजा जब्त किया गया, जिसकी बाजार कीमत लगभग 1,346 करोड़ रुपये है। इन आंकड़ों को मिलाकर देखा जाए तो पुलिस ने लगभग 2,700 करोड़ रुपए कीमत के नशे के

साम्राज्य पर बड़ा प्रहार किया है। पुलिस का कहना है कि यह सिर्फ कानून-व्यवस्था की कार्रवाई नहीं थी, बल्कि नक्सल प्रभावित इलाकों में माओवादी संगठनों के लिए आय के प्रमुख स्रोत पर भी वार था।

नक्सल नेटवर्क पर असर, गांजा की खेती में लगभग 50 प्रतिशत की गिरावट-ओडिशा के गजपति, रायगढ़ और कोरापुट जैसे संवेदनशील जिलों में गांजा की खेती में लगभग 50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इससे नक्सल नेटवर्क कमजोर हुआ है। पहले यह नेटवर्क 12 जिलों में सक्रिय था, लेकिन अब यह केवल 2-3 जिलों तक सिमट गया है। नक्सलियों के खिलाफ इसे 'दोहरा प्रहार' माना जा रहा है, एक तरफ अवैध नशे के कारोबार पर प्रहार और दूसरी तरफ नक्सल फंडिंग पर करारा वार। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इस आर्थिक नाकेबंदी ने नक्सलियों की गतिविधियों पर प्रत्यक्ष असर डाला है। पुलिस की रणनीति में नशे की खेती और तस्करी को रोकना, बड़े पैमाने पर जब्ती करना और संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ाना शामिल था। लगातार चलाए गए ऑपरेशनों ने माओवादी संगठनों की वित्तीय स्थिति को कमजोर किया, जिससे उनका क्षेत्रीय प्रभाव भी घटा। यह अभियान यह संकेत देता है कि अगर नशे और नक्सल फंडिंग पर लगातार प्रहार जारी रखा जाए, तो पूरे रेड कॉरिडोर में माओवादी गतिविधियों को काफी हद तक दबाया जा सकता है।

कार्रवाई रही सफल, लेकिन अभी भी चुनौतियां बाकी-गौरतलब है कि यह कार्रवाई सफल रही है, लेकिन अभी भी चुनौतियां बाकी हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अवैध खेती पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। अधिकारियों का कहना है कि निरंतर निगरानी, ग्रामीण जागरूकता और तस्करी नेटवर्क पर सतत कार्रवाई ही इस सफलता को स्थायी बना सकती है। ओडिशा पुलिस का यह अभियान साबित करता है कि अगर

कांग्रेस का हाथ पाकिस्तान के साथ : भाजपा

रायपुर,22 मार्च। भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर सोशल मीडिया के जरिए कांग्रेस पर निशाना साधा है. अबकी बार USCIRF की रिपोर्ट का हवाला दिया है. सोशल मीडिया में किए अपने पोस्ट में भाजपा ने 'कांग्रेस का हाथः पाकिस्तान के साथ!' बताया है. दरअसल, अमेरिका के अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने हाल ही में जारी अपने रिपोर्ट के जरिए अमेरिकी सरकार को सुझाव दिया है, जिसमें अमेरिका से भारत को धार्मिक आजादी के उल्लंघन के लिए '' खास चिंता वाला देश '' घोषित करने, अमेरिकी एजेंसियों को भारत में धार्मिक आजादी की स्थिति की जांच करने, आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने, संपत्ति फ्रीज, प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने, भारत के साथ सुरक्षा मदद और व्यापार को धार्मिक आजादी सुधार से जोड़ने जैसी बातें शामिल है. भाजपा ने इस रिपोर्ट को आधार बताते हुए सोशल मीडिया पर जारी अपने पोस्ट में कहा कि कांग्रेस का हाथ अब स्पष्ट रूप से उन विदेशी ताकतों के साथ है, जो भारत को तोड़ना चाहती हैं. देश की संप्रभुता से समझौता अब इनकी नीति बन चुकी है.

फूलों की माला की बिक्री से व्यापारी खुश

कवर्धा, 22 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कवर्धा शहर में फूलों की माला की बिक्री से व्यापारी खुश दिख रहे है। चैत्र नवरात्रि का पर्व में श्रद्धालुओं द्वारा फूलों की माला खूब खरीदी जा रही है और शादी सीजन के कारण गुलदस्ता की भी खूब बिक्री हो रही है। व्यापारी मुकेश मानिकपुरी ने बताया की व्यापार में तेजी है। मा जगदम्बा समिति पूर्व अध्यक्ष दीपक ठाकुर ने कहा की चैत्र नवरात्रि पर्व में फूलो की माला, नारियल, केला अंगूर की बिक्री कवर्धा में अच्छी होती है।

शहर में ईद की रौनक, अमन-चैन के लिए उठे हजारों हाथ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 22 मार्च। ईद-उल-फ़ित्र के मौके पर शनिवार को शहर की मस्जिदों और ईदगाहों में सुबह से ही उत्साह का माहौल रहा। जामा मस्जिद सेक्टर-6 और सेक्टर-6 ईदगाह में हजारों लोगों ने नमाज अदा की।

नमाजियों की बढ़ती संख्या के चलते अतिरिक्त मैदान में भी व्यवस्था करनी पड़ी। नमाज के बाद देश में अमन, सलामती और तरक्की के लिए दुआएं मांगी गईं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और विभिन्न समाजों के लोग ईदगाह पहुंचकर एक-दूसरे को मुबारकबाद देते नजर आए, जिससे सर्वधर्म समभाव और भाईचारे का संदेश मिला।

शहर के फरीद नगर, रिसाली, खुर्सीपार, सुपेला, कैंप क्षेत्र सहित जामुल, चरोदा और कुम्हारी में भी ईद की नमाज अदा की गई। घरों में भी देर रात तक मुबारकबाद और मिलन का सिलसिला जारी रहा। मौलाना सैय्यद फैसल अमीन ने रमजान की सीख को जीवन में अपनाने और पूरे वर्ष नेक रास्ते पर चलने का संदेश दिया। जामा मस्जिद दुर्ग के पूर्व इमाम हजरत अफ़्ज़लुद्दीन हैदर का उर्स 23 मार्च को कब्रिस्तान हैदरगंज में मनाया जाएगा।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में महिला की मौत

भिलाई, 22 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र के एक

महिला की मौत हो गई इस सड़क दुर्घटना में दो लोग घायल हो गए मृतिका एन भारती, (30 साल) निवासी खुर्सीपार भिलाई के रूप में हुई है महिला अपने पति और बच्चे के साथ बाइक पर रायपुर से भिलाई लौट रही थी इस दौरान सड़क हादसा हुआ पुरानी भिलाई पुलिस ने बताया कि भारती अपने पति करण और लगभग (4 साल) बच्चे के साथ रायपुर से परीक्षा देकर वापस भिलाई लौट रही थी इसी दौरान पुरानी भिलाई थाने के ठीक सामने नेशनल हाईवे पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जब कि पति और बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए हादसे के बाद मची अफरा तफरी घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिस के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया मृतिका के शव को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया इस हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है जिस में ट्रक की तेज रफ्तार और लापरवाही साफनजर आ रही है सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ट्रक चालक की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है मामले में आगे की जांच जारी है।

शराब की अवैध बिक्री करने वाला गिरफ्तार

भिलाई, 22 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले आरोपी को उतई पुलिस ने गिरफ्तार किया है पुलिस आरोपी के कब्जे से 6.480 बल्क लीटर शराब बरामद किया है उतई टीआई महेश ध्रुव ने बताया कि पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम डुमरडीह नहर पार स्थित होटल के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब बिक्री की जा रही है सूचना पर उतई पुलिस एवं एसीसीयू टीम मौके पर पहुंच कर घेराबंदी कर एक व्यक्ति को पकड़ा गया पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम चेतन ढीमर (29 साल) निवासी ग्राम पहंडोर थाना उतई जिला दुर्ग बताया आरोपी के कब्जे से अवैध रूप से रखी गई विभिन्न प्रकार की देशी एवं विदेशी मदिरा कुल 6.480 बल्क लीटर तथा बिक्री रकम जब्त किया गया आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर गिरफ्तार किया है।

अपने ही घर से लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने वाली युवती गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 22 मार्च। भट्ठी थाना क्षेत्र के घरेलू विश्वास को तोड़ने का चौकाने वाला मामला सामने आया है जहां एक युवती ने अपने ही घर से लाखों रुपए के सोने के आभूषण चोरी कर ली.पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवती को गिरफ्तार कर लिया है और उसके कब्जे से करीब 12 लाख रुपए मूल्य के सोने के जेवर बरामद किए हैं।भट्ठी टीआई प्रकाश कांत ने बताया कि एम. नचैय्या, निवासी भट्ठी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 2 जनवरी को उनके घर से लगभग 8.59 लाख रुपए के सोने के आभूषण की चोरी हो गई है जांच के दौरान संदेह परिवार के भीतर ही केंद्रित हुआ जिस के बाद पुलिस ने प्रार्थी की पुत्री एम. श्यामला (26 साल) को हिरासत में लेकर पूछताछ की पुलिस की पूछताछ में युवती ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि उसने अन्य साथियों के साथ मिलकर घर से सोने के जेवर चोरी की थी। चोरी के बाद कुछ आभूषणों को एक फाइनेंस कंपनी में गिरवी रखकर नकदी प्राप्त की गई, जबकि शेष गहने अपने पास छिपाकर रखे गए थे। साथियों से पूछताछ पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लगभग 7 तोला सोना बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 12 लाख रुपए आंकी गई है मामले में अन्य संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है और जल्द ही उनके खिलाफ भी कार्रवाई की संभावना है।

बुजुर्ग महिला से सोने की चेन लूटकर भागने वाला गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 22 मार्च। जामुल थाना अंतर्गत सुबह टहलने निकली एक बुजुर्ग महिला के गले से सोने की चेन लूटकर भागने वाले आरोपी समेत चोरी का माल खरीदने वाले आरोपी को जामुल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है पुलिस ने घटना में प्रयुक्त स्कूटी एवं सोने का गहना जब्त किया है। इस प्रकरण में धारा 304 (2), 112(2) के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई की है जामुल टीआई रामेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रार्थिया शशि गोंड निवासी हाउसिंग बोर्ड ने थाना जामुल में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि वह सुबह लगभग घर के पास टहलते समय एक अज्ञात व्यक्ति स्कूटी से आकर उनके गले से सोने लूटकर फरार हो गया मामले में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया विवेचना के दौरान घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला एवं तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी ज्वाला बैरागी को चिन्हित कर हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध करना स्वीकार करते हुए लूटपाट की सोने की चेन को रामनगर रायपुर स्थित ज्वेलर्स को बेचना बताया गया। उस आधार पर दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सोने के गहने जब्तकर दोनों आरोपी ज्वाला बैरागी (42 साल) निवासी बैरागी मोहल्ला व अनुज सोनी निवासी कर्मा चौक, रामनगर गुढ़ियारी, रायपुर को गिरफ्तार किया गया है।

नवरात्रि पर जेल में कैदी व्रत रखकर, भजन-कीर्तन कर रहे

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दुर्ग, 22 मार्च। केंद्रीय जेल में नवरात्रि के पर्व पर भक्ति और आस्था के रंग दिख रहे हैं आस्था अनुशासन और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है जेल में कैद कैदियों ने चैत्र नवरात्रि का पर्व रखा है वे उपवास रखते हैं इस के इतर इस जेल में बंद मुस्लिम कैदी रोजा रखा। इस तरह जेल के अंदर आपसी सौहार्द और धार्मिक एकता की मिसाल देखने को मिल रही है सुबह शाम हो रही आरती चैत्र नवरात्रि पर दुर्ग केंद्रीय जेल में बंदियों की तरफ से रोजाना सुबह शाम भजन कीर्तन और आरती हो रही हैभजन कीर्तन और जस गीत के अलावा माता रानी की आराधना से पूरा परिसर गूंज रहा है. यहां ज्योत जवारे की स्थापना की गई है और नियमित रूप से आरती की जा रही है. इससे जेल के अंदर सकारात्मक वातावरण का संचार हो रहा ह व्रत रख रहे बंदियों के लिए विशेष इंतजाम बंदियों की आस्था को ध्यान में रखते हुए जेल प्रशासन ने विशेष व्यवस्थाएं की हैं उपवास रखने वालों को फल, दूध, मेवे और पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि उनके स्वास्थ्य पर कोई असर न पड़े. इसके साथ ही डॉक्टरों की टीम द्वारा लगातार स्वास्थ्य जांच की जा रही है दुर्ग जेल अधीक्षक मनीष सम्भाकर ने बताया कि नवरात्रि के दौरान बंदी पूरी श्रद्धा से पूजा-अर्चना कर रहे हैं. सुबह आरती के बाद जस गीत गाए जाते हैं जिससे आध्यात्मिक माहौल और भी सशक्त होता है सभी उपवास रखने वाले बंदियों का नियमित मेडिकल चेकअप भी किया जा रहा है दुर्ग केंद्रीय जेल अधीक्षक मनीष सम्भकार ने बताया कि इस तरह के आयोजन कैदियों के मानसिक और भावनात्मक विकास में सहायक हैं. यह उन्हें सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित भी करते हैं।

शिव-नंदी प्रतिमाएं हटाने पर हुआ बवाल, सख्त कार्रवाई की अपील

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 22 मार्च। हिन्दू जागरण मंच ने सेक्टर-2 क्षेत्र में भगवान शिव और नंदी की प्रतिमाओं को हटाए जाने के मामले में विरोध दर्ज कराया है। संगठन ने थाना प्रभारी, जिला प्रशासन और भिलाई स्टील प्लांट प्रबंधन को ज्ञापन सौंपकर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मंच के अनुसार, नगर सेवाएं विभाग द्वारा प्रतिमाओं को हटाने के दौरान धार्मिक मर्यादाओं का पालन नहीं किया गया। आरोप है कि इस कार्रवाई के दौरान प्रतिमाओं को असम्मानजनक तरीके से हटाकर जयंती स्टेडियम तालाब के पास छोड़ दिया गया। संगठन ने इस मामले में संबंधित अधिकारी और कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक एवं कानूनी कार्रवाई करने, धार्मिक भावनाएं आहत करने के तहत एफआईआर दर्ज करने तथा प्रतिमाओं को सम्मान पूर्वक पुनः स्थापित करने की मांग की है। मंच ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो जन आक्रोश बढ़ सकता है। साथ ही प्रशासन से शांति व्यवस्था और जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए उचित कदम उठाने की अपील की गई है।

मामूली विवाद पर प्राणघातक हमला करने वाला गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 22 मार्च। जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र के मामूली विवाद में प्राणघातक हमला करने वाले आरोपी को जेवरा सिरसा चौकी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार जब्त किया है जेवरा सिरसा चौकी प्रभारी खागेंद्र पाठरे ने बताया कि ग्राम समोदा में एक मजदूर पर प्राणघातक हमला किए जाने की सूचना मिली पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर घायल को उपचार के लिएअस्पताल भेजा गया प्राथमिक जांच में पाया गया कि आरोपी परमेश्वर यादव ने शराब के नशे में काम को लेकर हुए विवाद के कारण गुस्से में आकर प्रार्थी पर धारदार हथियार से हमला किया गया प्रकरण में धारा 109 बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी को चिन्हित कर तत्काल घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार जब्त किया है।

स्वामी आत्मानंद स्कूल पोंडी में विकास कार्यो का सांसद संतोष पांडे ने किया भूमिपूजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

पोंड़ी, 22 मार्च। कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पोंडी स्थित पीएम स्वामी आत्मानंद स्कूल में शुक्रवार को विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन संपन्न हुआ। राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पांडे ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर लगभग ?19.46 लाख की लागत से होने वाले निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया। इन विकास कार्यों में पोंडी में सांस्कृतिक मंच निर्माण, आत्मानंद स्कूल में भौतिकी लैब, सांस्कृतिक कक्ष तथा शेड निर्माण शामिल हैं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, स्कूल स्टाफ एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सांसद ने कहा कि इन कार्यों से क्षेत्र में शिक्षा और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेश कार्यकारी समिति सदस्य विदेशी राम धुर्वे, भाजपा जिला उपाध्यक्ष जयराम साहू, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि रामकिंकर वर्मा, मंडल अध्यक्ष मोहन धुर्वे, जनपद सदस्य सदभावना रवि वर्मा, सरपंच प्रतिनिधि मोतीराम साहू, उप सरपंच मुकेश कुम्भकार, नपं अध्यक्ष विजय पाटिल, उपाध्यक्ष लव निर्मलकर, दिलीप वर्मा, बरसाती वर्मा, नरेश चंद्रवंशी, गोकुल चंद्रवंशी, दिलीप श्रीवास्तव, शाला विकास समिति अध्यक्ष वेद साहू, प्राचार्य एसके गुप्ता, रवि निषाद, अमन पाली सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जनमन आवास में प्रगति लाने वनांचल में लग रहा चौपाल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 22 मार्च। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम अभिषेक अग्रवाल द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं जनमन आवास के कार्यो में तेजी लाने, निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ जल्द पूरा करने के निर्देश गत दिवस बैठक में दिए गए थे। निर्देशों के परिपालन में जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा लगातार वनांचल क्षेत्र का दौरा कर आवास का निरीक्षण किया जा रहा है।जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों से चर्चा की जा रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान की महिला समूह के सदस्यों द्वारा लगातार घर-घर जाकर ग्रामीणों को अपना आवास पूरा करने प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला समन्वयक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण दुर्गेश शर्मा एवं जनपद पंचायत पंडरिया के विकासखंड समन्वयक सहित अन्य मैदानी कर्मचारियों ने गत दिवस सुदूर वनांचल ग्राम पंचायत छिंदीडीह, भेलकी और सेंदुरखार के आश्रित ग्राम बांगर के साई टोला, चावूर डोंगरी, एरंग टोला में पीएम जनमन आवास अंतर्गत निर्मित अप्रारम्भ एवं तीसरा किस्त प्राप्ति उपरान्त अपूर्ण आवासो के लिए हितग्राही से जन चौपाल लगाकर चर्चा की। हितग्राहियो से चर्चा कर उनकी समस्या का निराकरण किया। विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के लिए बन रहे जनमन आवासो का निरीक्षण कर निर्माणधीन आवास में प्रगति लाने कहा गया और निर्माण कार्य के लिए आवश्यक सुझाव दिए गए। सीईओ अभिषेक अग्रवाल ने बताया की प्रधानमंत्री जनमन आवास का निर्माण कार्य समय पर पूरा करने लगातार समीक्षा की जा रही है।कार्य गुणवत्ता के साथ हो इसके लिए मैदानी कर्मचारियों को प्रतिदिन निर्माण स्थल का भ्रमण करने के निर्देश दिए हैं।एनआरएलएम योजना के कैडर द्वारा हितग्राहियों को अपना आवास स्वयं बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है। निर्माण सामग्रियों में उपयोग होने वाले सेंट्रिंग प्लेट, रेट, इट, गिट्टी एवं सीमेंट की उपलब्धता की जानकारी ली गई। उल्लेखनीय है ग्राम पंचायत छिंदीडीह में कुल 118 जनमन आवास का निर्माण होना है।

जोन-2 की कुर्की टीम ने करदाताओं से वसूले 5.47 लाख

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 22 मार्च। नगर निगम भिलाई के जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्र में राजस्व विभाग द्वारा बकाया संपत्तिकर की वसूली को लेकर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में निगम की कुर्की टीम ने बकायादार करदाताओं से कुल 5, 47, 315 रुपये की वसूली की। राजस्व विभाग के अधिकारियों ने बताया कि लंबे समय से संपत्ति कर बकाया रखने वाले करदाताओं को पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके थे। इसके बावजूद भुगतान नहीं करने वाले बकायादारों के पास टीम मौके पर पहुंचकर उनसे संपर्क कर रही है और उन्हें बकाया राशि जमा करने के लिए प्रेरित कर रही है। कार्रवाई के दौरान संबंधित करदाताओं से बकाया राशि वसूल कर निगम कोष में जमा कराई गई। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बकाया कर वसूली के लिए आगे भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। नगर निगम भिलाई ने क्षेत्र के सभी करदाताओं से अपील की है कि वे समय पर अपने बकाया करों का भुगतान करें, ताकि किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई से बचा जा सके।

ग्राम रूही में वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी बलिदान दिवस एवं मूर्ति स्थापना संपन्न

युवाओं ने निकाली बाइक रैली, गूंजे जयकारे

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 22 मार्च। 1857 की प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी बलिदान दिवस एवं मूर्ति स्थापना कार्यक्रम 20 मार्च दिन शुक्रवार को ग्राम रूही में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के आयोजक लोधी समाज रूही सर्किल पाटन जिला दुर्ग रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ शोभायात्रा बाईक रैली ग्राम-रूही से प्रारंभ कर झीट, कोपेडीह, सांकरा, खम्हरिया, मोतीपुर, जामगांव (एम) भ्रमणकर किये।जिसका नेतृत्व ग्राम सांकरा के युवा सरपंच रवि सिंगौर ने किया।जिनके बाद लोधी समाज की महिलाओं के द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई। तत्पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं सामाजिक सदस्यों द्वारा वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मंचीय कार्यक्रम मुख्य अतिथि तौर पर सुरेन्द्र कौशिक (जिला अध्यक्ष भाजपा दुर्ग) डॉ घनश्याम कौशिक (प्रदेश महामंत्री लोधी समाज) नीलम राजेश चन्द्राकर (सभापति जिला पंचायत दुर्ग) कीर्ति नायक (जनपद अध्यक्ष पाटन), सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर जनपद पाटन, हर्षा लोकमणी चन्द्राकर (जिला उपाध्यक्ष भाजपा दुर्ग) रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता धर्मेन्द्र कौशिक (अध्यक्ष-पाटन परिक्षेत्र लोधी समाज) ने किया।

विशिष्ट अतिथि ग्राम पंचायत सरपंच मोनिका पटेल, युवा नेता संजय यदु, कमलेश कुमार सिंगौर (प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य लोधी समाज) कमलेश्वर वर्मा (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लोधी समाज) अमर जंघेल (पुर्व प्रदेश महामंत्री लोधी समाज) रामराज वर्मा (सहसंयोजक कृषि प्रकल्प भाजपा छ.ग.) सहित अन्य अतिथि भी कार्यक्रम में शामिल रहे। आयोजक समिति में करण सिंगौर (ईकाई अध्यक्ष लोधी समाज रूही) रामचरण कौशिक (उपाध्यक्ष लोधी समाज रूही) रामकुमार सिंगौर (ईकाई कोषाध्यक्ष लोधी समाज रूही) द्वारिका सिंगौर (कुरहा लोधी समाज पाटन परिक्षेत्र) खुमान सिंगौर (दीवान लोधी समाज पाटन परिक्षेत्र) कार्यक्रम में उपस्थित रहें। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का शाल श्रीफल भेंट कर आभार प्रकट किया।रात्रि में संजू साहू कृत रंग सागर संस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन।

एक नजर

महापौर ने ईदगाह मैदान पहुँच मुस्लिम भाइयों को ईद की दी मुबारकबाद

राजनांदगांव 22 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मठपारा स्थित ईदगाह मैदान में ईद-उल-फित्र पर्व के अवसर पर मुस्लिम भाईयों के द्वारा नमाज अदा की गयी, जहॉ महापौर श्री मधुसुदन यादव जी, पार्षदों के साथ पहुॅचकर मुस्लिम भाईयों को ईद-उल-फित्र पर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रमजान के एक महीने के रोजे के बाद मनाये जाने वाला यह पर्व मालिक की इबादत में वृद्धि करने, अच्छाई की ओर कदम बढ़ाने, भाई-चारा, शील-संकोच, दीन-धर्म का प्रदर्शन करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने मुबारकबाद देते हुये मुस्लिम समुदाय के लिये समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

जिला जेल बलौदाबाजार का विशेषज्ञ समिति ने किया निरीक्षण

बलौदाबाजार 22 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सर्वोच्च न्यायालय एवं बाल अधिकार संरक्षण आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार जेलों में निरूद्ध बंदियों के उम्र सत्यापन की प्रक्रिया के तहत शुक्रवार को जिला स्तरीय विशेषज्ञ समिति ने जिला जेल बलौदाबाजार का निरीक्षण किया। विशेषज्ञ समिति ने जेल का दौरा कर बैरकों का निरीक्षण किया। इस दौरान समिति के सदस्यों ने प्रत्येक बंदी से मुलाकात कर उनकी वास्तविक आयु से संबंधित जानकारी प्राप्त की।निरीक्षण के दौरान एक बंदी की आयु संदिग्ध पाई गई। संबंधित दस्तावेजों के सत्यापन के लिए उसके परिजनों से संपर्क किया जा रहा है, ताकि आयु की पुष्टि होने पर उसे बाल संप्रेषण गृह में स्थानांतरित किया जा सके। निरीक्षण के दौरान जिला बाल संरक्षण अधिकारी प्रकाश दास, विधिक सहपरिवीक्षा अधिकारी सुश्री मेघा शर्मा, पेनल अधिवक्ता संजय सोनी सहित जेल के कर्मचारी उपस्थित रहे।

शराब कोचिया गिरफ्तार

बलौदाबाजार 22 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के निर्देशन में आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण करने हेतु जिले में महत्वाकांक्षी योजना ÷समाधान सेल÷ प्रारंभ किया गया है, जिसकी सहायता से किसी भी प्रकार की सूचना, शिकायत अथवा आपराधिक गतिविधि की जानकारी ÷समाधान सेल÷ हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 में व्हाट्सएप अथवा कॉल के जरिए प्रदान की जा सकती है। ÷समाधान सेल÷ के माध्यम से आपराधिक कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों की धरपकड़ में भी लगातार कामयाबी मिल रही है। इसी तारतम्य में आज दिनांक 21.03.2026 को ÷समाधान सेल÷ में प्राप्त सूचना के आधार पर थाना कसडोल पुलिस टीम द्वारा ग्राम बदरा मोड सरवा में घेराबंदी कर अवैध रूप से बिक्री करने के लिए शराब ले जाते हुए 01 आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी शराब कोचियों से ?3600 कीमत मूल्य का 30 पाव देशी प्लेन शराब एवं अवैध रूप से शराब परिवहन में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल क्र. छ्त्र16 6454 जप्त किया गया है। आरोपी के विरुद्ध थाना कसडोल में धारा 34(2) आबकारी के तहत प्रकरण पंजीबध्द कर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की गई है।

तेज आवाज में डीजे बजाने वाले साउंड सिस्टम संचालक पर की गई कार्रवाई

बलौदाबाजार 22 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित समय सीमा के उपरांत तथा तय सीमा से अधिक, तीव्र आवाज में मालवाहक वाहन में डीजे एवं धूमाल बजाने वाले संचालकों पर कड़ी कार्रवाई हेतु निर्देश दिया गया है। उक्त निर्देशों के परिपालन में पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में थाना कसडोल पुलिस द्वारा दिनांक 20.03.2026 की रात्रि निर्धारित समय सीमा के उपरांत, तीव्र आवाज में मालवाहक वाहन में डीजे साउंड सिस्टम बजाने वाले डीजे संचालक के विरुद्ध कोलाहल अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है। कल दिनांक 20.03.2026 की रात्रि सूचना मिली कि ग्राम हटौद बाजार चौंक में डीजे संचालक द्वारा मालवाहक वाहन में बहुत ही तीव्र आवाज में डीजे साउंड सिस्टम बजाया जा रहा है। कि उक्त सूचना पर थाना कसडोल पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर डीजे वाहन क्र. छ्त्र13 ꝶ0644 संचालक अनावेदक दिनेश राव उम्र 25 साल निवासी ग्राम दर्रा थाना कसडोल के विरुद्ध धारा 15(1) कोलाहल अधिनियम एवं 146/196,190-2 एमव्ही एक्ट के तहत कार्यवाही कर वाहन क्र. छ्त्र13 ꝶ0644 सहित संपूर्ण डीजे साउंड सिस्टम जप्त किया गया है। नियमों का पालन नहीं करने वाले डी.जे. एवं धुमाल संचालकों के विरूद्ध थाना कसडोल पुलिस का यह अभियान लगातार जारी रहेगा ।

प्यारेलाल चौक से बजरंग चौक तक बनेगा आधुनिक डिवाइडर

- महापौर मधुसूदन यादव की पहल से क्षेत्र में सौंदर्यीकरण के साथ सुरक्षा भी होगी मजबूत, लाइटिंग और हरियाली का विशेष प्रावधान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 22 मार्च। शहर में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और सौंदर्यीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। नगर निगम के महापौर मधुसूदन यादव और नगर निगम अध्यक्ष पारस वर्मा की पहल पर प्यारेलाल चौक हनुमान मंदिर से बजरंग चौक तुलसीपुर तक नए डिवाइडर निर्माण को स्वीकृति मिल गई और महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इस योजना से न केवल यातायात व्यवस्था बेहतर होगी बल्कि क्षेत्र की सुंदरता भी बढ़ेगी। नगर निगम द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों के विकास के तहत एक प्यारेलाल चौक स्थित हनुमान मंदिर से लेकर बजरंग चौक तुलसीपुर तक सड़क के बीचों-बीच आधुनिक डिवाइडर का निर्माण किया जाएगा। इस डिवाइडर में आकर्षक लाइटिंग व्यवस्था के साथ-साथ हरियाली को बढ़ावा देने के लिए पेड़-पौधों का विशेष प्रावधान किया गया है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस परियोजना के पूरा होने से सड़क पर बढ़ती दुर्घटनाओं में कमी आएगी और यातायात सुगम होगा। साथ ही रात के समय बेहतर रोशनी से सुरक्षा में भी वृद्धि होगी। हरित पौधारोपण से क्षेत्र का पर्यावरण संतुलन भी बेहतर होगा और शहर का सौंदर्य बढ़ेगा। इस जनहितकारी कार्य की स्वीकृति मिलने पर लेबर कॉलोनी एवं तुलसीपुर के समस्त वार्डवासियों में खुशी की लहर है। नागरिकों ने महापौर मधुसूदन यादव और निगम अध्यक्ष पारस वर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें इस पहल के लिए बधाई दी है। भाजपा नेता एवं पदाधिकारी नरेंद्र मुन्ना यादव, हैरी जोसेफ, प्रकाश हरिहरनों, सतीश रेवतकर, तूफानी वर्मा, संतोष वर्मा, अखिलेश श्रीवास्तव, बी.डी. सिंह, गणेश देवांगन, विजय श्रीवास्तव, गंगाधर, श्रीमती सुधा पवार, श्रीमती संगीता मिश्रा, समीर श्रीवास्तव सहित क्षेत्र के अनेक नागरिकों ने इस विकास कार्य के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री ने सूरजपुर जिले में 185 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

आस्था के केंद्र कुदरगढ़ धाम का होगा तेजी से विकास: सीएम साय

रायपुर, 22 मार्च। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज चैत्र नवरात्रि की तृतीया तिथि के पावन अवसर पर सूरजपुर जिले के विकासखण्ड ओड़गी अंतर्गत ग्राम पंचायत कुदरगढ़ पहुंचे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी आस्था के केंद्र कुदरगढ़ धाम का भव्य विकास होगा। माता के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सूरजपुर जिले में 185 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री ने माँ कुदरगढ़ी के पावन धाम में पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व है और मैं आज माँ कुदरगढ़ी के दरबार में आया हूँ। सूरजपुर वासियों ने मुझे यह सौभाग्य दिया, इसके लिए मैं आप सभी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रदेश के कोने-कोने से मां कुदरगढ़ी के दर्शन के लिए पहुंचे भक्तजनों को भी मैं सादर प्रणाम करता हूँ। जब चैत्र नवरात्रि पर देवी मंदिरों में भक्तों का उत्साह देखता हूँ तो बहुत अच्छा लगता है। हमारे देवी-देवता हमारे आस्था के प्रतीक तो हैं ही, वे हमारे जीवन में उत्सव का रंग भी भरते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के इस शुभ दिन सूरजपुर जिले में 185 करोड़ रुपए के 76 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया है। सूरजपुरवासियों को इसके लिए मैं हार्दिक बधाई देता हूँ। इन कार्यों में 20 करोड़ रुपए के 52 कार्यों के लोकार्पण तथा 164 करोड़ रुपए के भूमिपूजन के कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन कार्यों में सड़क, भवन, पेयजल, शिक्षा, जलाशय एवं नगरीय अधोसंरचना से जुड़े निर्माण शामिल हैं। साथ ही कुदरगढ़ में सर्वसुविधायुक्त नवनिर्मित विश्रामगृह भवन का लोकार्पण भी किया गया है। लगभग 3 करोड़ 9 लाख 60 हजार रुपये की लागत से निर्मित इस आधुनिक भवन में अतिथियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि माता के आशीर्वाद से बस्तर क्षेत्र से नक्सलवाद समाप्त करने की दिशा में सरकार लगातार प्रयासरत है । कुदरगढ़ धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शीघ्र ही रोपवे का निर्माण कराया जाएगा, जिससे दर्शन करना और अधिक सुगम हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि क्षेत्र में डोम, बिजली सहित सभी आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, ताकि कुदरगढ़ धाम का समग्र और सुव्यवस्थित विकास सुनिश्चित किया जा सके।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने जिले में पोषण के प्रति जागरूकता के लिए सुपोषण रथ, आपराधिक जागरूकता रथ और यातायात जागरूकता रथ को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों के बेहतर पोषण के लिए जनजागरूकता बेहद आवश्यक है। स्वस्थ महिला और बच्चों से परिवार की खुशियां मजबूत होती हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि यातायात के नियमों के प्रति सभी को सजग होना चाहिए जिससे सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है और लाखों लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सूरजपुर जिले में रेडी टू ईट निर्माण कार्य के माध्यम से पोषण कार्यक्रम का संचालन बेहतर ढंग से किया जा रहा है, जिससे महिलाओं और बच्चों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने इस पहल को जिले के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पावन पर्व नई ऊर्जा और समृद्धि का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की उन्नति के लिए निरंतर कार्य कर रही है और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनकी आय बढ़ाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बोरतलाव में 20 प्रशिक्षणार्थियों को दो माह बांस शिल्प का दिया प्रशिक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 22 मार्च। विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित डिज़ाइन प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम के अंतर्गत राजनांदगांव जिले के बोरतलाव कलस्टर में बांबू क्राफ्ट वर्कशॉप में शामिल 20 प्रशिक्षणार्थियों को दो माह का प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमें दिल्ली से डिजाइन डॉली अग्रवाल के द्वारा 20 प्रकार के मार्केट अनुसार बास से निर्मित घरेलू उपयोगी सामग्री जैसे कि लैंप ,वाटर फॉल, ड्रायफ्रूड बॉक्स,ग्लास,चेयर, स्टूल होम डेकोरेटिव सामग्री बनाई जा रही है जिसमें जसपुर के ग्राम तोरा से मास्टर आजाद भगत के द्वारा जय सेवा हस्तशिल्प कला संस्था बोरतलाव के प्रशिक्षण सेंटर में प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमें हितग्राहियों में सुमन नंदेश्वर ,पुष्पा नंदेश्वर,रिया, आरती डोंगरे ,गायत्री सहारे,नंदनी नंदेश्वर, टिकेश्वरी अम्बादे ,पायल नंदेश्वर,प्रीति सोनवानी, करीना मालेकर, नम्रता लाऊत्रे, शुभम नंदेश्वर,सिद्धार्थ नंदेश्वर,कैलाश लाऊत्रे,संजय नंदेश्वर,कलावती नंदेश्वर,ममता लाऊत्रे,सुनैना , सुशिला,देवकी नंदेश्वर, इत्यादि लोग दो माह का प्रशिक्षण ले रहे है प्रशिक्षण कार्य के आयोजक है छ. ग. हस्तशिल्प विकास बोर्ड राजनांदगांव।

अवैध धर्मांतरण नेटवर्क पर करारा प्रहार

राजनांदगांव पुलिस ने आरोपी डेविड चाको को किया गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ 22 मार्च। सुकुल देहांन- जिला राजनांदगांव के थाना लालबाग अंतर्गत पुलिस चौकी सुकुल देहांन क्षेत्र में अवैध धर्मांतरण से संबंधित गंभीर प्रकरण में राजनांदगांव पुलिस द्वारा प्रभावी एवं सुनियोजित कार्यवाही की गई है। आपको बता दें कि 08 जनवरी 2026 को प्राप्त शिकायत के आधार पर की गई विस्तृत जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आरोपी डेविड चाको (उम्र 55 वर्ष), निवासी ग्राम धर्मपुर द्वारा अपने निवास स्थान पर प्रार्थना सभा/धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को प्रलोभन एवं अन्य माध्यमों से धर्म परिवर्तन हेतु प्रेरित किया जा रहा था। साथ ही, बिना वैधानिक अनुमति के आश्रम संचालन एवं नाबालिग बच्चों को अपने पास रखने की जानकारी भी प्राप्त हुई।

जांच के प्रारंभिक चरण (पूर्व विवेचना) के दौरान आरोपी के पास से महत्वपूर्ण सामग्री प्राप्त हुई थी, जिनमें–

लैपटॉप एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, सोलर चार्ज्ड प्रोजेक्टर, धार्मिक एवं प्रचार-प्रसार से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकें, भविष्य में धर्मांतरण की रणनीति से संबंधित दस्तावेज शामिल हैं, जिनसे संगठित गतिविधियों की पुष्टि होती है।

वर्तमान विवेचना के दौरान आरोपी के कब्जे से निम्नलिखित सामग्री भी जप्त की गई है– चर्च से संबंधित रजिस्टर एवं सदस्यता सूची, मोबाइल फोन एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज/सामग्री।

प्रकरण में विदेशी फंडिंग की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए आरोपी के बैंक खातों की जानकारी संबंधित बैंकों से प्राप्त की जा रही है तथा अन्य सभी पहलुओं की गहन जांच जारी है।

उक्त प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम की धारा 3, 4, 5 एवं ब्नह्स की धारा 299 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर दिनांक 21.03.2026 को विधिवत गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर पुलिस रिमांड हेतु आवेदन किया गया है। प्रकरण की विवेचना सतत जारी है तथा अन्य संभावित आरोपियों/सहयोगियों की संलिप्तता की भी गहन जांच की जा रही है।

नवरात्रि में अशांति फैलाने वाले बदमाश पर धारा 170 के तहत् की गई कार्रवाई

राजनांदगांव 22 मार्च। श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदया सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक महोदया श्रीमती वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में नवरात्रि पर्व मे क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु चलाये जा रहे सतत अभियान के तारतम्य मे शांतिनगर शिव मंदिर के पास बदमाश आकाश पटवा पिता शैलेन्द्र पटवा उम्र 24 साल साकिन चकरभाठा बिलासपुर हाल शांतिनगर शिव मंदिर के पास ओपी चिखली जिला राजनांदगांव के द्वारा वाद विवाद कर शांति व्यवस्था भंग कर अप्रीय घटना घटित होने के संभावना पर बदमाश के विरूद्ध पृथक धारा 170, 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत कार्यवाही कर माननीय न्यायालय राजनांदगांव पेश किया गया । उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक कैलाश चन्द्र मरई, म.प्र.आर. वंदना पटले, आर0 आदित्य सोलंकी, चंद्रकपूर आयाम, गोपाल पैकरा, सुनील बैरागी, तामेश्वर भुआर्य एवं चौकी चिखली स्टाफका महत्वपूर्ण भूमिका व सराहनीय योगदान रहा है।

नगरी की दो आदिवासी बेटियों ने रचा इतिहास विश्वविद्यालय मेरिट सूची में बनाई जगह

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

नगरी 22 मार्च। क्षेत्र के लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण उस समय आया जब नगरी की दो प्रतिभाशाली आदिवासी छात्राओं ने पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त कर अपने परिवार, नगर और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया। यह उपलब्धि न केवल उनकी मेहनत और लगन का परिणाम है, बल्कि यह क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन गई है।

बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी (छत्तीसगढ़) से एम.एससी. (होम साइंस) मानव विकास (चतुर्थ सेमेस्टर) की जारी मेरिट सूची में नगरी की कु. प्रीति मरकाम ने प्रथम स्थान हासिल कर शानदार सफलता अर्जित की है। प्रीति मरकाम के पिता वीर सिंह एवं माता दुख बाई हैं, जिनकी बेटी ने इस उपलब्धि से परिवार को गौरवान्वित किया है।

वहीं दूसरी ओर, इसी कड़ी में कु. प्रेम लता ध्रुव ने तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। प्रेम लता के पिता स्वर्गीय मनु लाल ध्रुव एवं माता गीता बाई हैं। विषम परिस्थितियों के बावजूद प्रेम लता ने अपने लक्ष्य को हासिल कर यह साबित कर दिया कि मेहनत और दृढ़ संकल्प से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है।

दोनों छात्राओं की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकगण, परिजनों एवं नगरवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। शिक्षकों ने कहा कि इन बेटियों ने न केवल अपने परिवार का मान बढ़ाया है, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

नगरी क्षेत्र में इस सफलता से उत्साह का माहौल है और लोगों का मानना है कि यदि इसी प्रकार बेटियों को अवसर और प्रोत्साहन मिलता रहा, तो वे भविष्य में और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं।

रैंप योजना अंतर्गत माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस फूड प्रोसेसिंग प्रशिक्षण दिया

बलौदाबाजार 22 मार्च। भारत सरकार की रैंप योजना अंतर्गत सीएसआईडीसी रायपुर के बैनर तले तथा निम्समे हैदराबाद के सहयोग से कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) भाटापारा में 19 से 21 मार्च 2026 तक़ सेक्टर स्पेसिफिक्र प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस (लघु वनोपज) आधारित फूड प्रोसेसिंग पर केंद्रित रहा। प्रशिक्षण के प्रारंभ दिवस पर कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. अंगद सिंह राजपूत द्वारा प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए लघु वनोपज से मूल्य संवर्धन, आधुनिक तकनीक एवं विपणन के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई।तीन दिवसीय प्रशिक्षण में बलौदाबाजार जिले के उद्यमियों, महिला उद्यमियों एवं महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों को श्रीमती दीपमाला लकरा द्वारा माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस से नए उत्पाद तैयार करने की तकनीक, मार्केटिंग, ब्रांडिंग एवं आवश्यक सर्टिफिक्रेशन के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस पर जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र भाटापारा के प्रबंधक श्री जितेंद्र धिरही विशेष रूप से उपस्थित हुए एवं उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी दी।साथ ही प्रायोगिक सत्रों का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को चीकू, तेंदू आदि से आइसक्रीम, अचार एवं जूस जैसे विभिन्न उत्पाद बनाना सिखाया गया।

पीएम आशा योजना के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर दलहन व तिलहन की खरीदी की जा रही

जिले में एक सप्ताह में 347 क्विंटल दलहन-तिलहन उपार्जन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 22 मार्च। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में रबी मौसम की दलहन एवं तिलहन फसलों का उत्पादन करने वाले किसानों से प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा रही है। इसके लिए कृषि सहित संबंधित विभागों को किसानों का शीघ्र पंजीयन सुनिश्चित करते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए हैं। जिले में प्राइस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) के तहत 15 प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के उपार्जन केंद्रों तथा एक एफ्पीओ स्वर्ण उपज महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड, सुकुलदैहान के माध्यम से खरीदी की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा नाफेड के माध्यम से दलहन एवं तिलहन फसलों का उपार्जन किया जा रहा है। जिसके लिए सोयाबीन 5 हजार 328 रूपए प्रति क्विंटल, अरहर 8 हजार रूपए प्रति क्विंटल, चना 5 हजार 875 रूपए प्रति क्विंटल, मसूर 7 हजार रूपए प्रति क्विंटल तथा सरसों 6 हजार 200 रूपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। उपसंचालक कृषि श्री टीकम सिंह ठाकुर ने बताया कि इस सप्ताह जिले में कुल 347 क्विंटल दलहन-तिलहन की खरीदी की गई है। इसमें एफ्पीओ सुकुलदैहान द्वारा 75 किसानों से 53 क्विंटल चना, 220 क्विंटल मसूर एवं 1 क्विंटल सरसों तथा सेवा सहकारी समिति तुमड़ीबोड़ द्वारा 73 क्विंटल सोयाबीन की खरीदी की गई है। एकीकृत किसान पोर्टल में पीएसएस के तहत चना के लिए 529 किसान, मसूर के लिए 264 किसान एवं राई व सरसों के लिए 82 किसानों सहित कुल 649 किसानों द्वारा पंजीयन कराया जा चुका है। शेष किसानों से भी अपील की गई है कि वे शीघ्र पंजीयन कर योजना का लाभ ले सकते हैं। किसान एकीकृत किसान पोर्टल एवं नाफेड के ई-समृद्धि पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन कराएं, ताकि खरीदी की राशि सीधे उनके बैंक खातों में प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि यह योजना दलहन-तिलहन क्षेत्र के विस्तार और किसानों की आय वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मतांतरण रोकने के लिए नए सख्त कानून की जरूरत थी

छत्तीसगढ़ में अवैध मतांतरण को रोकना एक गंभीर चुनौती राज्य बनने के बाद से रही है। इसे रोकने के लिए कानून तो था लेकिन उस कानून में सजा और जुर्माना कम होने से मतांतरण कराने वालों में उसका जरा भी डर नहीं था। मतांतरण रोकने के लिए एक सख्त कानून की जरूरत थी जिसमें सजा भी ज्यादा हो और जुर्माना भी ज्यादा हो।एक खामी यह भी थी कि मतांतरण करने वाला मतांतरण के बाद इस बात की किसी को सूचना नही देता और मतांतरण कराने वाला भी मतांतरण की सूचना किसी को नहीं देता था क्योंकि यह जरूरी नहीं था। मतांतरण करने वाला मतांतरण कर लेता और मतांतरण कराने वाला मतांतरण करा लेता था और यह किसी तो पता नहीं चलता कि किसने मतांतरण किया और किसने मतांतरण कराया। वह वैध या है अवैध है। इससे किसी क्षेत्र की जनसंख्या में बदलाव हो जाता और सरकार को पता नही चलता था। मुख्यमंत्री साय ने भाजपा की सरकार पर वादा किया था कि वह अवैध मतांतरण को रोकने के लिए सख्त कानून लेकर आएंगे और उन्होंने अपना वादा पूरा कर दिया है।गुरुवार १९ मार्च को विधानसभा में छग धर्म स्वातंत्र्य विधेयक-२६ पेश किया गया और ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

अब छत्तीसगढ़ में कोई अवैध मतातंरण कराता है यानी बलपूर्वक,प्रलोभन देकर या धोखाधडी से मतांतरण कराता है तो दोषी लोगों को आजीवन कठोर सजा भुगतनी होगी।नए कानून में डिजिटल माध्यमों से दिए जाने वाले प्रलोभन को भी अपराध की श्रेणी में शामिल कर सभी संबंधित अपराधों को संज्ञेय व गैरजमानती बनाया गया है ताकि इस तरह का अपराध करने वालों को जल्दी से जमानत न मिल सके उनको एहसास हो उनको गंभीर अपराध किया है। छह अध्याय और ३१ बिंदुओं वाले इस नए विधेयक की एक खासियत तो यह है कि इसमें पैतृक धर्म में वापसी तो मतांतरण के दायरे से बाहर रखा गया है। इससे जो मतांतरित हो चुके है वह पैतृक धर्म में वापस आना चाहे तो उनको आसानी होगी।वहीं मतांतरण के मामलों की सुनवाई के लिए प्रत्येक जिले में विशेष सत्र न्यायालय का गठन होगा ताकि राज्य की सांस्कृतिक अस्मिता व धार्मिक स्वतंत्रता को सुरक्षित रखा जा सके।यह विधेयक छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक१९६८ की जगह लेगा। इस विधेयक में मतांतरण के एक प्रक्रिया तय है। मतांतरण करने वाले को प्राधिकृत अधिकारी के पास आवेदन करना होगा,मतांतरण करने वाले व्यक्ति की जानकारी पंचायत, वेबसाइट और थाने में प्रदर्शित होगी।३० दिन में दावा-आपत्ति व जांच पूरी होगी। यदि ९० दिन के भीतर मतांतरण नहीं हुआ तो आवेदन निरस्त माना जाएगा। नए विधेयक में जैसा मतांतरण होगा उसी के हिसाब से सजा व जुर्माना भी होगा। मतांतरण का सामान्य मामला है तो मतांतरण कराने वाले को दस साल की सजा होगी और कम से कम पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। यदि मतांतरित नाबालिग,महिला,एससी,एसटी या ओबीसी वर्ग से है तो १० से २० की सजा और कम से कम १० लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। यदि कही पर सामूहिक यानी बड़ी संख्या में लोगों को मतांतरित किया जाता है तो दस साल से लेकर आजीवन कारावास की सजा होगी और कम से कम २५ लाख रुपए जुर्माना लगाया जाएगा। यदि अंतरधार्मिक विवाह कराया जाता है तो उसकी जानकारी भी विवाह कराने वाले को देनी होगी।यदि अधिकारी को लगता है कि विवाह मतातंरण के लिए कराया गया है तो विवाह अवैध घोषित किया जा सकता है। १९६८ में कांग्रेस के बनाए कानून की जगह भाजपा ने नया और वक्त के हिसाब सख्त कानून बनाया है तो कांग्रेस को इसका स्वागत करना था तो उसने विरोध किया और चर्चा का बहिष्कार किया।धर्म व संस्कृति की रक्षा करना सरकार का अहम दायित्व है, इसे साय सरकार ने निभाने का वादा किया था और नया कानून बनाकर अपना वादा पूरा भी किया है। इससे माओवादियों बरसों मे जो वर्ग संघर्ष आदिवासी क्षेत्रों में पैदा नहीं कर सके थे वह मतांतरण के कारण पैदा होने लगा था नए कानून से कई क्षेत्रों में जो धर्म के नाम पर विवाद हो रहा था अब उस पर रोक लगेगी।नया कानून राज्य की सामाजिक व सांस्कृतिक समरसता के लिए एक अहम कदम है।इसका उद्देश्य किसी की आस्था पर प्रहार नहीं करना है, बल्कि उस अनैतिक प्रक्रिया को रोकना है जो छल कपट व आर्थिक विषमता का लाभ उठाकर व्यक्ति की मूल पहचान को बदलने का प्रयास करती है।इससे व्यक्तिगत विश्वास तो बदलता है,सामाजिक ताना बाना भी प्रभावित होता है।

विश्व जल दिवस पर विशेष

टैंकर पर टिका शहर: पानी संकट की नई तस्वीर

हृदय मोहन

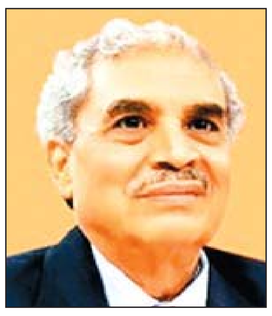

सुबह के सात बजे हैं। कॉलोनी के गेट पर टैंकर आकर रुकता है। पाइप सीधे अंडरग्राउंड टैंक से जुड़ता है और कुछ ही देर में मोटर चालू हो जाती है। पानी घरों तक पहुँचता है—लेकिन नल खुलते ही एक अनकहा नियम लागू हो जाता है—जितना जरूरी हो, उतना ही। यह बाल्टी लेकर लाइन में खड़े होने वाला संकट नहीं, बल्कि उससे भी ज्यादा खामोश—और ज्यादा गहरा—संकट हैः राशनिंग के साथ जीने की मजबूरी।

आईटी शहर बेंगलुरु की तस्वीरें अभी ताज़ा हैं—सूखते बोरवेल, आसमान छूती टैंकर कीमतें और 'डे-ज़ीरो' की चेतावनी। लेकिन यह केवल बेंगलुरु की कहानी नहीं है। दुर्ग-भिलाईऔर रायपुर के शहरी विस्तार क्षेत्रों में हर गर्मी एक छोटा बेंगलुरु आकार लेता है—बस उसे उतनी सुर्खियाँ नहीं मिलतीं।

वैशाली नगर, स्मृति नगर, चौहान टाउन से लेकर रायपुर के सड्डू, लभांडी और नव विकसित कॉलोनियों तक, अप्रैल आते-आते एक जैसी तस्वीर उभरती है। बोरवेल, जो सर्दियों में ठीक-ठाक पानी देते थे, मार्च के अंत तक हाँफने लगते हैं। कई आवासीय सोसायटियों में टैंकर "बैकअप" नहीं, बल्कि मुख्य स्रोत बन जाते हैं। एक टैंकर के लिए !800 से !1500 तक चुकाने पड़ते हैं। सोसायटी की वेलफेयर कमेटियाँ तय करती हैं—कितनी देर मोटर चलेगी, किस फ्लैट को कितना पानी मिलेगा। पानी, जो बुनियादी हक है, धीरे-धीरे राशन बन जाता है।

इसका असर सिर्फ जेब पर नहीं, जीवन पर पड़ता है। घरों में पानी के उपयोग का सख्त अनुशासन लागू हो जाता है—नहाने का समय घटता है, बगीचे सूख जाते हैं, कार धोना बंद हो जाता है। महिलाएँ, जो घर की जल-व्यवस्था संभालती हैं, इस दबाव को सबसे ज्यादा महसूस करती हैं—हर दिन पानी का हिसाब, हर बूंद का संतुलन। जो परिवार यह खर्च उठा सकते हैं, वे किसी तरह प्रबंधन कर लेते हैं; बाकी के लिए यह संकट और गहरा हो जाता है।

इस स्थिति की जड़ें गहरी हैं। शिवनाथ नदी के जलग्रहण क्षेत्र में वर्षों से अनियंत्रित दोहन हुआ है। शहरों का विस्तार हुआ, लेकिन तालाब पाट दिए गए, नाले ढक दिए गए और रिचार्ज जोन पर कंक्रीट बिछ गई। भूजल निकालने की रफ्तार बढ़ती गई, लेकिन उसे वापस जमीन में पहुँचाने की व्यवस्था नहीं बनी। कई इलाकों में बोरिंग 500–600 फीट तक जा रही है, फिर भी पानी की कोई गारंटी नहीं।

रायपुर में भी स्थिति अलग नहीं है। भूजल स्तर लगातार गिर रहा है। विधानसभा में यह चिंता तक जताई जा चुकी है कि कई इलाकों में कुएँ, तालाब और बोरवेल सूखने की कगार पर हैं। कुछ जगहों पर 'टैंकर माफिया' सक्रिय होने की आशंका भी जताई गई है—यानी संकट अब बाजार का अवसर बनता जा रहा है।

यह केवल एक मौसम की समस्या नहीं है। अनियमित मानसून, जलवायु परिवर्तन, जंगलों का क्षरण और बढ़ती शहरी मांग—ये सभी मिलकर इस संकट को स्थायी बना रहे हैं। भारत जैसे देश में, जहाँ विश्व की 18 प्रतिशत आबादी के लिए मात्र 4 प्रतिशत मीठा पानी है, यह स्थिति और गंभीर हो जाती है। फिर भी, निराशा के बीच आशा की किरणें हैं। सरकार की योजनाएँ—जैसे जल जीवन मिशनऔर अटल भूजल योजना—ग्रामीण क्षेत्रों में असर दिखा रही हैं, लेकिन तेजी से बढ़ते शहरी इलाकों के लिए अभी भी ठोस और सख्त कार्यान्वयन की कमी है। वर्षा जल संचयन को अनिवार्य बनाना, सीवेज ट्रीटमेंट और पुनः उपयोग को बढ़ाना, ड्रिप इरिगेशन को बढ़ावा, पारंपरिक तालाबों-झीलों का पुनरुद्धार और उद्योगों को जिम्मेदार बनाना अब टाला नहीं जा सकता। भिलाई में 150 एमएलडी एसटीपी का काम शुरू होना एक सकारात्मक कदम है। लेकिन इन योजनाओं को सिर्फ कागजों तक सीमित नहीं रखना होगा। नागरिकों की भागीदारी जरूरी है—पानी बचत की आदत डालना, बर्बादी पर रोक लगाना। सबसे बड़ा बदलाव सोच में आना होगा। पानी को अब असीमित संसाधन मानकर नहीं चला जा सकता। शहरों को पानी के हिसाब से जीना सीखना होगा—न कि पानी को शहर के हिसाब से ढालने की कोशिश।

टैंकर आज सुविधा नहीं, चेतावनी है। और सबसे बड़ा खतरा यह है कि यह चेतावनी हमें सामान्य लगने लगी है। क्योंकि जिस दिन शहर टैंकर पर टिक जाता है, उसी दिन वह अपनी जल-स्वायत्तता खो देता है। फिर पानी जरूरत नहीं रहता—वह कीमत, नियंत्रण और असमानता का विषय बन जाता है। सवाल अब यह नहीं है कि अगला टैंकर कब आएगा। सवाल यह है कि क्या हम कभी उस स्थिति में लौट पाएँगे, जहाँ उसकी जरूरत ही न पड़े।

आज का राशिफल

मेष राशिः मेष राशि वालों आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी। आज आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे। बच्चों को आज पढ़ाई में मन लगाने की जरूरत है। माता को मीठे का भोग लगाये, पारिवारिक रिश्तों में मिठास आएगी।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए है। आज आप किसी धार्मिक जगह पर घूमने जाएंगे। आज आप नया बिजनेस स्टार्ट करने का प्लान बनाएंगे। आपके सगे सम्बन्धियों से मेल-जोल बढ़ेगा। किसी नए काम को शुरू करने के लिए आज आप उत्साहित रहेंगे। मां दुर्गा को लौंग अर्पित करें, अनचाहे भय से मुक्ति मिलेगी।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। आपके ऊपर परिवार की जिम्मेदारी आएंगी, जिसे आप पूरा करेंगे। आज आप कुछ निजी मामलों में थोड़ा भावुक हो सकते हैं। शिक्षक आज किसी मीटिंग में शामिल होंगे। परिवार वालों के साथ मां दुर्गा की आरती करें, पारिवारिक ताल-मेल मजबूत होगा।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज संयम रखने से रुकी योजनाएं सफल होंगी। पहले से चल रही किसी उलझन से आज आपको छुटकारा मिलेगा। आज आप नई भाषा सीखने के बारे में विचार करेंगे। पड़ोसी आपके कार्यों को पूरा करने में आपकी सहायता करेंगे। मां चंद्रघंटा को नमस्कार करें, आपका स्वास्थ्य उत्तम बना रहेगा।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज आपका रुका हुआ काम पूरा होगा। लोग आपकी बात से प्रभावित होकर आपसे बातचीत करना चाहेंगे। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशियां बरकरार रहेगी। माता दुर्गा को इलायची अर्पित करें, घर से निगेटिविटी दूर होगी।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा। आज आपके बड़े भाई आपसे किसी इम्पोर्टेन्ट टॉपिक पर चर्चा करेंगे। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है। माता का आशीर्वाद लें, कार्यों में सफलता मिलेगी।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज परिवारजन आपसी सामंजस्य द्वारा घर की किसी समस्या का समाधान निकालने में सक्षम रहेंगे, परिवार में ख़ुशी का माहौल बना रहेगा। तरक्की आज आपके कदम चूमेगी। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को आज अच्छी खबर मिलेगी। माता चंद्रघंटा को पुष्प अर्पित करें, रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। घर पर आपके अच्छे गुणों की चर्चा होगी। परिवार वाले आपके द्वारा किए गए कार्यों से काफी खुश नजर आएंगे। लम्बे समय से चल रही योजना में आज कुछ नए चेंजेस भी कर सकते हैं। समाज में आपके द्वारा किए गए कार्यों की काफी सराहना होगी। माता दुर्गा को शहद का भोग लगाएं, समाज में आपका नाम ऊंचा होगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपको किसी रिश्तेदार से शुभ सूचना मिल सकती है, घर में खुशी का माहौल बनेगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज के दिन आप कुछ नया करने की कोशिश कर सकते है आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। माता को कुमकुम का तिलक लगाएं, धन-धान्य में बढ़ोतरी होगी।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप दूसरों की हर संभव मदद करेंगे। साहित्य के क्षेत्र में आपका रुझान हो सकता है। इस राशि के जो लोग मीडिया जगत से जुड़े हैं उनका दिन किसी प्रोजेक्ट को कम्पलीट करने में गुजरेगा। आज आपको वाहन चलाते समय खास सावधानी बरतने की आवश्यकता है। मां चंद्रघंटा की उपासना करें, सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होगी।

कुम्भ राशिः कुम्भ राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होने वाला है। आज आपका काम आसानी से पूरा होगा। कॉमर्स फील्ड के छात्रों को आज कुछ नया सीखने को मिलेगा। आपका ज्ञान बढ़ेगा। कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों का समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। आपकी क्रिएटिविटी की लोग सराहना करेंगे। मां दुर्गा को नारियल अर्पित करें, आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आप किसी राजनेता से सम्पर्क करेंगे। फुल कॉन्फिडेंस से अपने सभी रुके कामों को गति देंगे। पहले से बनाईं अपनी योजना में आज बदलाव करेंगे। आज आप भक्तिमय रहेंगे, पशु सेवा करने का सौभाग्य मिलेगा। मां दुर्गा के सामने कपूर जलाएं, आपके सारे काम आसानी से पूरे हो जाएंगे।

खाड़ी युद्ध

कौन जीता है कौन हार गया ?

तनवीर जाफ़री

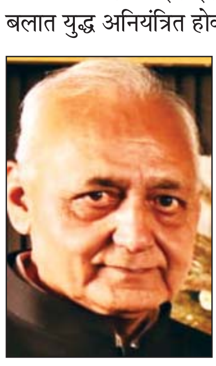

अमेरिका -इस्राईल द्वारा ईरान पर थोपा गया बलात युद्ध अनियंत्रित होकर बेहद ख़तरनाक दौर से गुज़र रहा है। दर्जनों देशों को अपनी चपेट में ले चुके इस युद्ध में अब तक खरबों डॉलर का नुक़्सान हो चुका है। अमेरिका -इस्राईल द्वारा मिलकर ईरान को जिस स्तर तक नुक़्सान पहुँचाया जा चुका है और अब भी उसके ईंधन उत्पाद केंद्रों पर हमले कर लगातार पहुँचाया जा रहा है उससे निश्चित रूप से पहले ही चार दशकों से वैश्विक रूप से आर्थिक व व्यवसायिक प्रतिबंध झेल रहे ईरान की कमर ज़रूर टूट जाएगी। परन्तु इसके बावजूद आप इस निष्कर्ष पर क़तई नहीं पहुँच सकते कि ईरान यह युद्ध हार चुका है या हार जायेगा। हाँ इसके विपरीत ईरान ने अपनी बहादुरी,सूझबूझ,योग्यता,दृढ़ संकल्प,विश्वास व कूटनीति के बल पर न केवल दुनिया के कई देशों के चेहरों से नक़ाब हटा दी है बल्कि अमेरिका के बारे में पूरे विश्व में बन चुकी 'विश्वविजेता' जैसी 'फ़र्ज़ी धारणा' को भी ध्वस्त कर दिया है। बेशक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राईली प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू के बहकावे में आकर या एप्सटीन फ़ाइल के भयादोहन (ब्लैक मेलिंग) का शिकार होकर ईरान को वेनेज़ुएला की ही तरह कमतर आंक कर उसपर हमला बोल दिया। दुनिया ने देखा कि ईरान पर आक्रमण करने से पूर्व अमेरिका व इस्राईल ने किस तरह ईरान के भीतर सत्ता विरोधी बग़ावत कराने जैसा कुटिल असफल प्रयास किया। गोया आज युद्ध में अपनी मुंह की खाने वाला अमेरिका मोसाद की मदद से ईरान में सत्ता विरोधी बग़ावत का भी सहारा लेना चाह रहा था जोकि राष्ट्रवादी ईरानियों ने मुमकिन नहीं होने दिया। न ही शाह की औलाद को ईरान पर पुनः थोपने की अमेरिकी चाल कामयाब हो सकी। लिहाज़ा यह कहना ग़लत नहीं होगा कि अमेरिका अपनी इस कुटिल चाल में शुरुआत में ही ईरान से हार चुका था। इसके बाद बावजूद इसके कि 27 फ़रवरी तक दोहा में ईरान - अमेरिका के बीच वार्ता हो ही रही थी फिर भी अमेरिका ने इस्राईली सेना के साथ मिलकर 28 फ़रवरी को पूरी ताक़त के साथ तेहरान पर हवाई हमले शुरू कर दिये। इन हमलों का उद्देश्य ईरान में सत्ता परिवर्तन,ईरान की मिसाइल क्षमताओं, परमाणु सुविधाओं और नेतृत्व को नष्ट करना था। ऑपरेशन रोअरिंग लायन और ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नमक इस पहले आक्रमण में ही ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली ख़ामनेई का तेहरान के पेस्टूर स्ट्रीट स्थित आवास पर हमले में निधन हुआ। इसी हमले में कुल लगभग 40 ईरानी अधिकारी मारे गए, साथ ही 1,444 से अधिक मौतें भी हुईं जिनमें 168 बच्चे और 200 महिलाएं शामिल थीं। इसी हमले में अयातुल्लाह अली ख़ामनेई के दामाद, पोते और अली शमखानी जैसे अन्य शीर्ष सुरक्षा अधिकारी मारे गये। रक्षा मंत्री अमीर नासिर जादेह और रिवोल्यूशनरी गार्ड के कमांडर मोहम्मद पाक पुर व सेना प्रमुख अब्दुल रहीम मूसवी सहित चार वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मारे गये। इसी हमले में ईरान के 24 प्रांत प्रभावित हुए, जहां 500 से अधिक सैन्य लक्ष्य जैसे एयर डिफ़ेंस , मिसाइल लॉन्चर, नौसेना और नतांज, कराज, क़ुम की परमाणु सुविधाएं आदि के नष्ट होने के दावे किये गये। तेहरान में राष्ट्रपति भवन, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, ख़ुफ़िया मंत्रालय और ग्रैंड बाज़ार को काफ़ी क्षति पहुंची नागरिक इलाक़ों पर भीषण बमबारी की गयी। अमेरिकी टॉम हॉक मिसाईल से मिनाब में लड़कियों के एक स्कूल में 148 लड़कियों की मौत हो गयी तथा कई अस्पतालों को नुक़्सान हुआ। साइबर हमलों से इंटरनेट कनेक्टिविटी बुरी तरह प्रभावित हुई और उसी समय होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो गया जिससे वैश्विक स्तर पर तेल आपूर्ति बाधित हुई। इसी हमले के बाद ही ट्रंप ने यह कहना शुरू कर दिया था कि 'हमने संघर्ष के शुरुआती घंटों में ही ईरान की वायुसेना को ज़मीन पर ही तबाह कर दिया गया, और अब ईरान के पास वास्तविक "एयरफ़ोर्स " जैसी कोई प्रभावी ताक़त नहीं रही। उन्होंने कई बार यह दावा किया है कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में ईरान की नौसेना (नेवी) और वायु सेना (एयर फ़ोर्स) की क्षमता "ख़त्म " या "लगभग पूरी तरह नष्ट" कर दी गई है। नौसेना को लेकर उन्होंने दावा किया है कि ईरान के लगभग सभी युद्धपोत और नौसैनिक जहाज़ डूबा दिए गए हैं, कुछ बयानों में "32 जहाज़ों के तलहटी में जाने" और "58 नौसैनिक जहाज़ों के नष्ट होने" जैसी संख्या भी दी गई। परन्तु ट्रंप के इन दावों के बावजूद ईरान के मिसाइल और ड्रोन के भरपूर हमले अभी भी जारी हैं। और यह हमले अपनी तीव्रता व सटीकता के चलते अमेरिका सहित पूरे विश्व हो अचंभे में डाले हुये हैं। भले ही ईरानी सेना, नेवी और रडार व वायु रक्षा प्रणाली को भारी नुक़्सान ज़रूर पहुँचा है परन्तु इसके बावजूद ईरान ने पूरी दुनिया को यह भी दिखा दिया है कि 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद ईरान ने सिर्फ़ अमेरिकी पिट्ठू शाह पहलवी की सत्ता को ही नहीं उखाड़ फेंका बल्कि 47 वर्षों तक वैश्विक प्रतिबंधों के बाकजूद ईरान ने सामाजिक,शैक्षिक,वैज्ञानिक व सामरिक स्तर पर जो तैयारियां की हैं आज उसी का नतीजा सामने है। अन्यथा कौन सोच सकता था कि राष्ट्रपति ट्रंप के ईरान को हर प्रकार से तबाह बर्बाद करने के बार बार किये जा रहे दावों के बावजूद ईरान इस्राईल के हाइफ़ा पोर्ट व उसके पेट्रोलियम प्लांट और फाइनेंशियल ढांचे को तबाह कर देगा। अमेरिका के सर्व शक्तिशाली युद्धपोत यू एस एस अब्राहम लिंकन को धुआँ धुआँ कर उसे पीठ दिखाकर भागने के लिए मजबूर कर देगा, गेराल्ड आर फ़ोर्ड जैसा सबसे ख़तरनाक युद्धपोत पीठ दिखाकर भाग जायेगा , ईरान ने आयरन डोम के चलते इस्राईल के अजेय होने की धारणा को भी धूल धूसरित कर दिया। और तो और नेतन्याहू के अनेक स्पष्टीकरण व कथित 'प्रकटीकरण ' के बावजूद तमाम विश्लेषक नेतन्याहू के जीवित होने को लेकर अभी भी पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं। बहरहाल मैदान ए करबला से प्रेरित आईआरजीसी के 5 लाख प्रशिक्षित सैनिकों व 25 लाख से अधिक की आरक्षित सेना ने अपने बुलंद हौसलों से युद्ध में हार जीत की परिभाषा को बदल कर रख दिया है। ईरान ने अमेरिका के अजेय होने की धारणा को ध्वस्त करते हुये दुनिया को यह सोचने के लिये विवश कर दिया है कि आख़िर इस युद्ध में कौन जीता है कौन हार गया ?

सू- दोकू क्र.350

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 349 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

शब्द सामर्थ्य -350

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

1		2		■	3		4	5
	■		■	■	■	■	6	
■	7		8	■	9			
■	■	10		11		■	■	■
12	■	■	13			■	14	15
16	17	■	■		■	18		
19		20			■		■	
■	■		■	■	21			
■	22					■	■	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 349 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

एक नजर

प्रधानमंत्री आवास निर्माण को गति देने प्रशासन कर रहा विशेष पहल

दंतेवाड़ा, 22 मार्च। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत जिले में पात्र हितग्राहियों को पक्का मकान उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष पहल की जा रही है। इस क्रम में जनगणना कार्य के दौरान अधिकारी एवं कर्मचारी गांव-गांव पहुंचकर हितग्राहियों से सीधे संपर्क कर रहे हैं और उन्हें शीघ्र आवास निर्माण प्रारंभ करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

सभी ग्राम पंचायतों में पात्र हितग्राहियों को निरंतर आवास स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए जा रहे हैं। साथ ही उन्हें योजना की विस्तृत जानकारी, किस्त राशि तथा निर्माण सामग्री ईंट, सीमेंट, सरिया, रेत एवं गिट्टी की उपलब्धता के संबंध में मार्गदर्शन दिया जा रहा है, ताकि वे समय पर अपने आवास निर्माण कार्य की शुरुआत कर सकें। इसके प्रारंभ में कई हितग्राही निर्माण कार्य शुरू नहीं कर पाए थे, लेकिन जागरूकता और प्रशासनिक सहयोग के बाद अब वे अपने पक्के घर के निर्माण के लिए आगे आ रहे हैं। ग्राम पंचायत पोदुम-1 एवं हाऊरनार में भी हितग्राहियों को आवास स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस पहल से जिले में आवास निर्माण कार्य में तेजी आई है और जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर का सपना साकार हो रहा है। प्रशासन की सक्रियता से ग्रामीणों में विश्वास बढ़ा है और वे उत्साहपूर्वक अपने घरों के निर्माण में जुट गए हैं।

1 अप्रैल से पूरी तरह डिजिटल होगा चालान भुगतान, ओटीसी ई-चालान व्यवस्था लागू

दंतेवाड़ा, 22 मार्च। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कार्यालय जिला कोषालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार राज्य शासन द्वारा नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भौतिक चालान प्रणाली को समाप्त कर 01 अप्रैल 2026 से ई-चालान मॉड्यूल में ओटीसी (ओवर द काउंटर) सुविधा लागू की जा रही है। इस नई व्यवस्था के तहत अब सभी चालान केवल ऑनलाइन माध्यम से ही जमा किए जाएंगे। जिला कोषालय अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में जिले के सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों तथा चालान जमा करने वाले नागरिकों को ई-चालान प्रक्रिया से अवगत कराने के निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि नई प्रणाली का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा सके। इस ओटीसी सुविधा के अंतर्गत ई-चालान पोर्टल पर चालान भरते समय उसका डेटा सीधे संबंधित बैंक को ऑनलाइन स्थानांतरित हो जाएगा। इससे बैंक स्तर पर पुनः चालान प्रविष्टि की आवश्यकता समाप्त होगी तथा त्रुटियों की संभावना भी कम हो जाएगी। नई व्यवस्था से पारदर्शिता बढ़ेगी और समय की भी बचत होगी।

जनगणना-26 की तैयारियां तेज, कलेक्टर ने समय-सीमा अनुसार सभी कार्यों में प्रगति लाने के दिए निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 22 मार्च। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव की अध्यक्षता में आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जनगणना से संबंधी समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। ज्ञात हो कि जिला स्तर पर आगामी जनगणना 2026 के सफल क्रियान्वयन हेतु तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जनगणना निदेशालय द्वारा निर्धारित समय-सीमा के अनुसार विभिन्न गतिविधियों का चरणबद्ध कार्यक्रम तय किया गया है, जिसके तहत प्रशिक्षण, ब्लॉक निर्धारण, मैपिंग एवं गणना कार्य सुनिश्चित किए गए है। इसके तहत आज बैठक में कलेक्टर द्वारा जनगणना से संबंधित सभी चरणबद्ध कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी ली गई। बैठक में उन्होंने कहा कि सभी अनुविभागीय जनगणना अधिकारी तय समय-सीमा के अंतर्गत 25 मार्च की अवधि तक जनगणना कार्य पूर्ण कर लेवें। तत्पश्चात निदेशालय द्वारा दिए गए अन्य तिथियों के कार्यों को पूरा करने की कार्यवाही की जायेगी।

बैठक में जिला स्तर पर फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण,इसके साथ ही मकान सूचीकरण ब्लॉक की संख्या को फ्रीज करने की प्रक्रिया ,चार्ज अधिकारियों को जियो-संदर्भित ग्राम, वार्ड एवं चार्ज मानचित्रों, वेब मैपिंग एप्लीकेशन में मकान सूचीकरण, ब्लॉकों की सीमाओं का परिसीमन, ब्लॉक प्रकार का आबंटन एवं प्रविष्टिकरण कार्य,इसी क्रम में पर्यवेक्षी सर्किल का गठन कर सुपरवाइजर एवं प्रगणकों को का आवंटन,मध्य मकान सूचीकरण ब्लॉकों का गठन एवं उन्हें वेब मैपिंग एप्लीकेशन पर चिन्हित करने का कार्य जानकारी दी गई। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि जनगणना निदेशालय द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्यों को पूर्ण करना अनिवार्य है। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी और जनगणना कार्य से जुड़े कर्मचारी उपस्थित रहे।

महतारी वंदन योजना से महिलाओं के जीवन में आर्थिक संबल,आत्मविश्वास बढ़ा,नई उम्मीदों का संचार हो रहा

डॉ. दानेश्वरी संभाकर, उप संचालक जनसंपर्क

रायपुर, 22 मार्च। किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति तब मानी जाती है जब उसकी महिलाएं सशक्त, आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जीने लगें। छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना इसी दिशा में एक ऐतिहासिक और संवेदनशील पहल बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में यह योजना आज लाखों महिलाओं के जीवन में आत्मविश्वास, आर्थिक संबल और नई उम्मीदों का संचार कर रही है।

महतारी वंदन योजना केवल हर माह मिलने वाली 1000 रुपये की आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के सपनों को पंख देने, उनके आत्मसम्मान को मजबूत करने और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का सशक्त माध्यम बन गई है। प्रदेश के गांव-गांव से ऐसी प्रेरक कहानियां सामने आ रही हैं, जो बताती हैं कि छोटे-छोटे आर्थिक सहयोग से भी बड़े सामाजिक बदलाव संभव हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बस्तर में आयोजित वृहद महतारी वंदन कार्यक्रम के दौरान कई महिलाओं ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से वर्चुअल संवाद कर अपने जीवन में आए बदलाव साझा किए। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के ग्राम खोडरी की श्रीमती अनीता साहू ने बताया कि पहले आर्थिक कठिनाइयों के कारण परिवार चलाना मुश्किल था, लेकिन योजना से मिली राशि से उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी और ÷अनीता सिलाई सेंटर÷ शुरू किया। आज वे सिलाई, खेती और मजदूरी के माध्यम से अपने परिवार को बेहतर जीवन दे रही हैं। उनका यह सफर संघर्ष से आत्मनिर्भरता तक की प्रेरक कहानी बन गया है।

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले की श्रीमती मिथलेश चतुर्वेदी ने भी अपने जीवन का भावुक अनुभव साझा किया। पति के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी। ऐसे कठिन समय में महतारी वंदन योजना ने उन्हें आर्थिक संबल दिया और उन्होंने ई-रिक्शा खरीदकर आजीविका का नया रास्ता चुना। आज वे आत्मसम्मान के साथ अपने परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं और समाज में आत्मनिर्भर महिला की पहचान बना चुकी हैं।

कोरिया जिले की ग्राम डुमरिया निवासी श्रीमती बाबी राजवाड़े बताती हैं कि खेती-किसानी में मिलने वाली मासिक राशि उनके लिए बड़ी मदद साबित हो रही है। बीज, खाद और अन्य कृषि जरूरतों को पूरा करना अब पहले की तुलना में आसान हो गया है। वहीं ग्राम आमापारा की श्रीमती सुंदरी पैकरा इस राशि का उपयोग अपने बच्चों की पढ़ाई में कर रही हैं, जिससे उनके बच्चों के भविष्य को नई दिशा मिल रही है।

भरतपुर विकासखंड के ग्राम चांटी की श्रीमती सविता सिंह की कहानी इस योजना की सार्थकता को और मजबूत करती है। उन्होंने महतारी वंदन योजना की राशि को बचाकर सिलाई मशीन खरीदी और सिलाई कार्य शुरू किया। आज वे गांव में कपड़ों की सिलाई कर नियमित आय अर्जित कर रही हैं और अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का खर्च स्वयं उठा रही हैं। उनकी सफलता ने गांव की अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी है।

महतारी वंदन योजना का व्यापक प्रभाव प्रदेश के हर जिले में दिखाई दे रहा है। लगभग 69 लाख विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता सीधे उनके बैंक खातों में दी जा रही है और अब तक 25 किस्तों के माध्यम से 16 हजार 237 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के जरिए प्रदान की जा चुकी है। यह नियमित आर्थिक सहयोग महिलाओं के जीवन में स्थिरता और आत्मविश्वास ला रहा है।

इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह महिलाओं को केवल सहायता नहीं देती, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देती है। महिलाएं इस राशि से छोटे-छोटे व्यवसाय शुरू कर रही हैं, बच्चों की पढ़ाई में निवेश कर रही हैं, खेती-किसानी को मजबूत बना रही हैं और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इससे परिवार, समाज और राज्य–तीनों स्तरों पर सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है।

महिलाओं का कहना है कि पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब महतारी वंदन योजना ने उन्हें आत्मसम्मान के साथ जीने की ताकत दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके जीवन में नई उम्मीद और नया आत्मविश्वास लेकर आई है।

आज महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण का मजबूत स्तंभ बन चुकी है। यह योजना न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी दे रही है।

निश्चित रूप से महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए आत्मसम्मान, सशक्तिकरण और उज्ज्वल भविष्य की नई सुबह साबित हो रही है, जो आने वाले समय में प्रदेश के समग्र विकास की मजबूत आधारशिला बनेगी।

जगदलपुर में पहली बार होगा बस्तर राइडर्स मीट 4 अप्रैल को

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 22 मार्च। बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर में 4 अप्रैल को पहली बार 'गरुड़ा द राइडर्स क्लब' की तरफ से बस्तर राइडर्स मीट 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश के विभिन्न राज्यों से बाइक राइडर्स और राइडिंग के शौकीन लोग हिस्सा लेंगे। इस आयोजन का उद्देश्य बस्तर की समृद्ध संस्कृति, खानपान और वेशभूषा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। साथ ही राइडर्स को बस्तर के प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन स्थलों से रूबरू कराया जाएगा। आयोजन समिति ने इसके लिए जिले के विभिन्न विभागों के साथ समन्वय कर खास 'बस्तर दर्शन' कार्यक्रम भी तैयार किया है। इस कार्यक्रम के दौरान बाइकर्स यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ सुरक्षित राइडिंग के फायदे भी बताए जाएंगे। वहीं राइडर्स अपने अनुभव साझा कर युवाओं को प्रेरित करेंगे।आयोजन में शामिल होने के लिए इच्छुक प्रतिभागी व्हाट्सएप या कॉल के माध्यम से 6263437809 और 7240839494 पर संपर्क कर सकते हैं।

बस्तर राइडर्स मीट 2026 का मुख्य आकर्षण में 1. बाइक शो और प्रदर्शनी में विभिन्न ब्रांड की आकर्षक बाइकों का प्रदर्शन, 2. राइडिंग शो में कुशल राइडर्स के रोमांचक स्टंट, 3. सर्वश्रेष्ठ मॉडिफाइड, विंटेज और सुपरबाइक के लिए पुरस्कार,4. बस्तर टैलेंट शोकेस में स्थानीय कलाकारों और संगीतकारों की प्रस्तुति,5. सांस्कृतिक फूड फेस्टिवल में बस्तर के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद यह आयोजन बाइक प्रेमियों के साथ-साथ स्थानीय प्रतिभाओं और बस्तरवासियों के लिए भी एक खास उत्सव होगा, जहां राइडिंग का जुनून और बस्तर की सांस्कृतिक धरोहर एक साथ नजर आएगी।

1495 किमी. सड़क बनने से 1053 गांव व 411 पंचायतें सड़क नेटवर्क से जुड़ी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कोंडागांव, 22 मार्च। नक्सली संगठन का आधार लगभग समाप्त होने के कगार में पंहुचने के साथ ही नक्सलियों के आत्मसमर्पण, पुलिस की सख्ती और प्रशासन के तालमेल से जिन इलाकों तक पहुंचना मुश्किल था, वहां अब पक्की सड़कों का जाल बिछ रहा है, विकास कार्यों को नई गति मिली है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत जिले में फेज-1 से फेज-3 तक कुल 778 कार्यों के माध्यम से लगभग 1495 किलोमीटर सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है। वहीं फेज-4 में 171 किलोमीटर लंबाई के 35 मार्गों पर निर्माण कार्य जारी है, जिसमें नक्सल प्रभावित और लंबे समय से लंबित मार्गों को प्राथमिकता दी जा रही है। वर्ष 2016-17 में स्वीकृत कुधुर-तुमड़ीवाल और कुधुर-हड़ेली मार्ग नक्सली प्रभाव के चलते वर्षों तक अधूरे रहे। अब 2026 में पुलिस सुरक्षा के बीच जिले के 1053 गांव और 411 पंचायतें सड़क नेटवर्क से जुड़ चुकी हैं। घने जंगलों से गुजरने वाली ये सड़कें अब ग्रामीणों के लिए जीवनरेखा बनती जा रही हैं। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने बताया कि नक्सलियों के आत्मसमर्पण और पुलिस की सक्रियता से संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा का माहौल बना है। नए पुलिस कैंप, थाने और चौकियों के कारण विकास कार्यों में तेजी आई है। कुधुर से तुमड़ीवाल तक 11 किलोमीटर सड़क लगभग पूरी हो चुकी है, जबकि 30 अन्य मार्गों पर कार्य जारी है।

प्रदेश में नशे का गोरखधंधा फैलाने वाले को नशे पर बोलने का अधिकार नहीं : चौहान

- **कांग्रेस राज में छत्तीसगढ़ नशे का नेशनल हाईवे बन गया था**
- **कांग्रेस ने नशा परोसा और हम नशा परोसने वालों को पकड़ रहे हैं**

रायपुर 22 मार्च। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता के.एस. चौहान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज प्रदेश में बढ़ते नशे को लेकर हाहाकार मचा रही है। लेकिन कांग्रेस पार्टी और उसके नेता यह भूल गए हैं कि प्रदेश में नशे के गोरख धंधे को कांग्रेस शासनकाल में पूरा संरक्षण मिला हुआ था। प्रदेश में शराब एवं अन्य नशे के धंधों से संलिप्त लोगों के खिलाफ कांग्रेस शासनकाल में एफआईआर तक दर्ज नहीं होती थी। उन्हें खुला छूट मिली हुई थी , लेकिन आज प्रदेश की साय सरकार नशे के कारोबारियों को पकड़ कर उस पर तत्काल कार्यवाही भी कर रही है। और यही बात कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं को रास नहीं आ रही है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता के.एस. चौहान ने कहा कि प्रदेश की साय सरकार प्रदेश के वातावरण को पुनः शांतिपूर्ण बनाने के लिए कार्य रही है। आज मुख्यमंत्री श्री साय के सुशासन में बस्तर नक्सल मुक्त होने जा रहा है। प्रदेश की वैश्विक छवि दुनिया में बढ़ी है। छत्तीसगढ़ में पुनः सुशासन स्थापित हो रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में तो शराबबंदी का वादा करने वाली पार्टी ने प्रदेश में शराब की अविरल धारा बहा रखी थी । शराब दुकानों में दो अलग-अलग कैश काउंटर होते थे। कोरोना काल में शराब की होम डिलीवरी तक कांग्रेस सरकार में की जा रही थी।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कहते थे कि प्रदेश में गांजे की एक पत्ती नहीं आने देंगे और उसके दीगर भारी मात्रा में पुलिस द्वारा गांजा जब्त किया जाता था। कांग्रेस शासनकाल में तो छत्तीसगढ़ में हर तरफ अपराधियों का बोलबाला रहा। नशा खोरों और अपराधियों की शरण स्थली रही है कांग्रेस । 2022 में, छत्तीसगढ़ के एक पूर्व अधिकारी ने झारखंड सरकार को छत्तीसगढ़ की तर्ज पर शराब वितरण मॉडल अपनाने का सुझाव दिया और इसके लिए उस अधिकारी को सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया। उन्होंने कहा कि भूपेश शासनकाल में छत्तीसगढ़ नशे का नेशनल हाईवे बन गया था। खुलेआम नशीले पदार्थों का व्यापार होता रहा। तत्कालीक कांग्रेस सरकार के संरक्षण में नशे के व्यापारियों ने छत्तीसगढ़ की एक अलग ही पहचान बना दी थी। कांग्रेस शासनकाल में छत्तीसगढ़ में 3 हजार करोड़ रुपए से अधिक का शराब घोटाला किया गया। आज वहीं कांग्रेसियों को नशे के व्यापारियों पर हो रही कार्यवाही दिख नहीं रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में नशे का कारोबार भरपूर फला और फूला। कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं को इस पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। एक बात तो स्पष्ट है कि कांग्रेस ने नशा परोसा और विष्णु के सुशासन वाली सरकार नशे के खिलाफ अभियान चलाकर ताबड़तोड़ कार्यवाही कर रही है ।

पीएमश्री मानकों के अनुरूप विकसित होगा पोटाकेबिन गुमड़ा स्कूल

- **विद्यालय में सभी व्यवस्थाएं पीएम श्री स्कूल के निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाए।**

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 22 मार्च। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव ने आज पीएम श्री हाई स्कूल पोटाकेबिन गुमड़ा का निरीक्षण कर विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों एवं विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने पीएम श्री योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि विद्यालय में सभी व्यवस्थाएं पीएम श्री स्कूल के निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जाएं, ताकि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ आधुनिक सुविधाएं प्राप्त हो सकें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कंप्यूटर कक्ष, पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशाला, कला एवं शिल्प कक्ष का अवलोकन कर उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि डिजिटल लर्निंग, प्रयोगात्मक शिक्षा, पुस्तकालय सुदृढ़ीकरण तथा खेल एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक संसाधन तत्काल उपलब्ध कराए जाएं। कलेक्टर ने छात्राओं से संवाद कर उनकी पढ़ाई, सुविधाओं एवं समस्याओं के बारे में जानकारी ली तथा उन्हें मन लगाकर अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने अपार आईडी निर्माण, पेयजल व्यवस्था एवं स्वास्थ्य जांच की स्थिति की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि पीएम श्री योजना के तहत स्कूलों को आदर्श शिक्षण संस्थान के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां विद्यार्थियों को सुरक्षित, समृद्ध एवं प्रेरणादायक वातावरण के साथ सभी आवश्यक आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाएगा। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी श्री प्रमोद ठाकुर सहित स्कूल अन्य टीचर मौजूद थे।

कृषि विकास योजना के अंतर्गत समूह चयन एवं कृषि विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा कर

पीएम धन-धान्य योजना के तहत कृषि उन्नति को नई गति देने कलेक्टर ने दिए निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 22 मार्च। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव द्वारा जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना के अंतर्गत कृषि विकास योजना के अंतर्गत समूह (क्लस्टर) चयन एवं कृषि विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने चयनित ग्रामों में रात्रि चौपाल आयोजित कर किसानों के साथ सतत संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए।

बैठक में एजेंडा अनुसार सुगंधित धान उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए चयनित किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने एवं बीज प्रमाणीकरण,सिंचाई सुविधाओं के सुधार हेतु लिफ्ट सिंचाई प्रणाली एवं क्रेडा (द्वारा स्थापित उपकरणों के मरम्मत और सुधार, हरी खाद के प्रचार-प्रसार के तहत लैंप्स के माध्यम से किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड अंतर्गत हरी खाद उपलब्ध कराने एवं बीआरसी समूहों के सुदृढ़ीकरण हेतु प्रशिक्षण आयोजित कर जिला खनिज न्यास अंतर्गत 5000 किसानों को 80 प्रतिशत अनुदान पर जैविक आदान सामग्री उपलब्ध कराने,नाडेप टांका के माध्यम से कम्पोस्ट उत्पादन को बढ़ावा देने, पूर्व से बने टांकों को भरने एवं बांस से नए टांकों का निर्माण, कृषक उन्नति योजना के तहत मरहान क्षेत्रों में धान के स्थान पर लघु अनाज की खेती को प्रोत्साहित करने तथा ऐसे किसानों की पहचान कर उन्हें प्रेरित करने, जैविक खेती के प्रचार हेतु सफल किसानों की कहानियों एवं तकनीकों पर आधारित लघु वीडियो (रील्स) बनाने, किसान क्रेडिट कार्ड के नए प्रकरणों को बढ़ावा देने तथा किसानों को एटीएम कार्ड के उपयोग, रबी क्षेत्र विस्तार के अंतर्गत समुदाय के साथ चर्चा कर चरवाहों के चयन, कृषि यांत्रिकीकरण को बढ़ावा देते हुए विकासखंड स्तर पर कस्टम हायरिंग केंद्र की स्थापना, धान रोपण यंत्र (पैडी ट्रांसप्लांटर) एवं प्रत्यक्ष बीजारोपण विधि के प्रचार-प्रसार, पावर टिलर एवं पावर वीडर जैसे कृषि यंत्रों के अनुदान वितरण, सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से चयनित किसानों को एटीएम मॉडल पर प्रशिक्षण, शीत कक्ष (कोल्ड चेम्बर) वितरण तथा उद्यानिकी विभाग की नर्सरी में ग्राफ्टेड पौधों के उत्पादन, ऑयल पाम (ताड़) पौधारोपण हेतु किसानों की सूची तैयार कर आवश्यक सुविधाओं की स्वीकृति, जिले के तालाबों एवं डबरियों में मत्स्य बीज वितरण कर मछली पालन को प्रोत्साहित किए जाने की अद्यतन प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की गई। बैठक के समापन पर कलेक्टर ने कहा कि संबंधित सभी विभाग आगामी बैठक तक आपसी समन्वय कर निर्देशानुसार सभी कार्यों में अपेक्षित प्रगति लाए।

डिप्टी कलेक्टर नारायण प्रसाद गवेल को अधिकारियों ने दी ससम्मान विदाई

बीजापुर 22 मार्च। बीजापुर जिले में अपनी सेवाएं दे रहे डिप्टी कलेक्टर नारायण प्रसाद गवेल के बिलासपुर जिला स्थानांतरण पर जिला प्रशासन द्वारा एक गरिमामय एवं भावुक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने संयुक्त रूप से उन्हें आत्मीय विदाई दी। कार्यक्रम में कलेक्टर संबित मिश्रा ने श्री गवेल के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ किया। उनके कार्यों ने जिले में प्रशासनिक दक्षता और जनसेवा को नई दिशा दी है। विदाई समारोह में अपने संबोधन में नारायण प्रसाद गवेल ने बीजापुर में बिताए गए समय को अपने जीवन के ÷स्वर्णिम पल÷ बताते हुए सभी वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यहां का अनुभव उनके लिए हमेशा प्रेरणादायक रहेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत की सीईओ नम्रता चौबे, इन्द्रावती टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक संदीप बलगा, अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल, एडिशनल एसपी चंद्रकांत गवर्ना तथा संयुक्त कलेक्टर जागेश्वर कौशल सहित जिले के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी अधिकारियों ने श्री गवेल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए और भावभीनी विदाई दी।

जनसहयोग से बाल विवाह मुक्त जिला बनाने का लिया गया संकल्प

रायगढ़ में बाल विवाह रोकथाम को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित, विशेषज्ञों ने कानूनी प्रावधानों और रोकथाम के उपायों पर दी जानकारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 22 फरवरी। महिला एवं बाल विकास विभाग, रायगढ़ द्वारा नगर पालिक निगम ऑडिटोरियम में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत ÷बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़÷ अभियान के तहत जिला स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिले को बाल विवाह की कुप्रथा से मुक्त करना तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी देकर जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना था। कार्यशाला कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिजीत बबन पठारे तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी एल.आर. कच्छप के मार्गदर्शन में आयोजित की गई।

कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में बचपन बचाओ आन्दोलन रायपुर के स्टेट कोऑर्डिनेटर विपिन ठाकुर उपस्थित रहे। उन्होंने पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, किशोर न्याय अधिनियम 2015 तथा पॉक्सो एक्ट 2012 के महत्वपूर्ण प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बाल विवाह रोकने के कानूनी उपायों और बच्चों के संरक्षण से जुड़े पहलुओं पर विशेष जोर देते हुए प्रतिभागियों को जागरूक किया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अंकिता मुदलियार ने बताया कि रायगढ़ जिले की 282 ग्राम पंचायतें बाल विवाह मुक्त घोषित हो चुकी हैं और शेष 268 ग्राम पंचायतों को भी निर्धारित समय-सीमा में इस श्रेणी में लाने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यशाला में शासन के निर्देशों का वाचन किया गया, जिसमें सभी ग्राम पंचायतों में विवाह पंजी का अनिवार्य संधारण, 12 सदस्यीय निगरानी टीम का गठन तथा आगामी रामनवमी और अक्षय तृतीया के अवसर पर जागरूकता अभियान चलाने की बात कही गई। अतिथियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए समाज से बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने और रायगढ़ को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने के लिए समन्वय एवं सहयोग की अपील की।

इस अवसर पर गेवेश नायक अध्यक्ष बाल कल्याण समिति, उन्नति ठाकुर उप पुलिस अधीक्षक एवं नोडल विशेष किशोर पुलिस इकाई, विनीता अग्रवाल सदस्य किशोर न्याय बोर्ड, गेंदसिंह चन्द्रा सदस्य किशोर न्याय बोर्ड, रूपलाल चौहान सदस्य बाल कल्याण समिति, निवेदिता पटनायक सदस्य बाल कल्याण समिति, लक्ष्मी पटेल सदस्य बाल कल्याण समिति, धीरेन्द्र कुमार शर्मा जिला बाल संरक्षण अधिकारी, महिला एवं बाल विकास के परियोजना अधिकारी, सेक्टर पर्यवेक्षक, पंचायत विभाग के ग्राम पंचायत सचिव, पुलिस विभाग के विशेष किशोर पुलिस इकाई के अधिकारी एवं कर्मचारी, शिक्षा विभाग से संकुल प्राचार्य, स्वयं सेवी संस्थान के संचालक, धार्मिक प्रतिष्ठान के प्रतिनिधि, समाज प्रमुख, जिला बाल संरक्षण इकाई के अधिकारी एवं कर्मचारी, बाल देखरेख संस्था के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित कुल 750 प्रतिभागी कार्यशाला में उपस्थित रहे।

एक नजर

जिले में मदिरा दुकानों के संचालन के लिए भवन किराए पर लेने निविदा जारी

महासमुंद, 22 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला आबकारी विभाग द्वारा जिले में देशी एवं विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानों के संचालन हेतु भवन, दुकान किराए पर लेने के लिए निविदा जारी की गई है।
जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि जिले की कुल 10 देशी, विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानों के संचालन हेतु लोकेशनवार भवन या दुकान किराए पर लिए जाने हेतु इच्छुक व्यक्तियों से 30 मार्च 2026 तक निविदा आमंत्रित की गई हैं। निविदा में भाग लेने के इच्छुक अभ्यर्थी कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, महासमुंद में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर निविदा की शर्तों, नियमों एवं अन्य विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अभ्यर्थी जिले की वेबसाइट https://www.cg.nic.in/mahasamund पर भी निविदा से संबंधित जानकारी का अवलोकन कर सकते हैं।

आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

कोरबा 22 मार्च। कार्यालय परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास सेवा, परियोजना कोरबा(शहरी) के अंतर्गत नगर पालिका निगम कोरबा के वार्ड क्रमांक 02 के आंगनबाड़ी केंद्र सर्वमंगलापारा एवं वार्ड क्रमांक 22 के आंगनबाड़ी केंद्र आरामशीनमें आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों हेतु योग्य महिला उम्मीदवारों से शर्तों के अधीन आवेदन पत्र 23 मार्च 2026 से 07 अप्रैल 2026 तक ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित किया गया है। निर्धारित तिथि के पश्चात् आवेदन स्वीकार नहीं होगा। आवेदन करने हेतु नवीन पोर्टल ीजजचेरूध्धंम.ींतजपण्पदध् मे पंजीयन कर आवेदन करना अनिवार्य होगा। पंजीयन प्रक्रिया की जानकारी हेतु उक्त पोर्टल में उपलब्ध उपयोगकर्ता मेनुअल की सहायता ली जा सकती है। ऑनलाईन आवेदन करने के पश्चात आवेदन के प्रिन्ट आउट सहित आवश्यक दस्तावेजों को संलग्न कर निर्धारित समय सीमा में परियोजना कार्यालय कोरबा(शहरी) में जमा करना अनिवार्य है।

मनरेगा के कार्य 30 मार्च तक करें पूर्ण:दिनेश नाग

कोरबा, 22 मार्च। जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा में बुधवार को आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोरबा दिनेश कुमार नाग ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सभी सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायकों की उपस्थिति में योजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन किया गया। समीक्षा के दौरान सीईओ श्री नाग ने निर्देशित किया कि मनरेगा अंतर्गत सभी निर्माण कार्यों को 30 मार्च 2026 तक हर हाल में पूर्ण किया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना ,ग्रामीण के तहत स्वीकृत आवासों के निर्माण में तेजी लाने पर जोर देते हुए कहा कि पात्र हितग्राहियों को समय पर आवास का लाभ मिलना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि वर्ष 2024-26 में प्रथम किस्त प्राप्त आवासों का 31 मार्च 2026 तक शत-प्रतिशत प्लिंथ लेवल निर्माण एवं जियोटैगिंग पूर्ण की जाए। वहीं, द्वितीय किस्त प्राप्त कर चुके एवं टॉप लेवल पर पहुंचे आवासों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही प्रधानमंत्री जनमन आवास एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत सभी आवासों को 31 मार्च 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

ड्रोन से अवैध मादक खेती पर कड़ी नजर, घरघोड़ा, तमनार में चला वृहद अभियान

संयुक्त टीम ने गांव-गांव जाकर की कार्रवाई

■ कलेक्टर के निर्देशन पर किया गया सघन निरीक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 22 फरवरी। रायगढ़ जिले में अवैध मादक पदार्थों की खेती के विरुद्ध प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग शुरू कर दिया है। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) घरघोड़ा दुर्गा प्रसाद अधिकारी एवं सीएसपी मयंक मिश्रा के संयुक्त नेतृत्व में घरघोड़ा और तमनार क्षेत्र में वृहद ड्रोन सर्वे अभियान संचालित किया गया। इस संयुक्त कार्रवाई में राजस्व विभाग, पुलिस विभाग और कृषि विभाग की टीमों ने समन्वित रूप से काम करते हुए संदिग्ध क्षेत्रों की पहचान की और ड्रोन के माध्यम से खेतों की बारीकी से निगरानी की। इस आधुनिक तकनीक के जरिए दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों तक भी प्रशासन की पहुंच सुनिश्चित हुई, जिससे अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

ड्रोन सर्वे के साथ-साथ राजस्व विभाग के पटवारियों और कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों ने संबंधित गांवों में मौके पर पहुंचकर खेतों में उतरकर सघन निरीक्षण किया। इस दौरान घरघोड़ा तहसील के बैहामुडा, भेंगारी, पाकादरहा, पानीखेत तथा तमनार तहसील के आमापाली, राबो, गढ़गांव एवं हराडीह में व्यापक स्तर पर जांच-पड़ताल की गई। अभियान के दौरान अधिकारियों ने किसानों को जागरूक करते हुए स्पष्ट किया कि अवैध मादक पदार्थों की खेती कानूनन अपराध है और इसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही वैकल्पिक वैध फसलों को अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की खेती पर पूरी तरह रोक लगाने के उद्देश्य से यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। आने वाले समय में भी ड्रोन सर्वे के साथ सघन जांच और निगरानी की कार्रवाई तेज की जाएगी, ताकि किसी भी स्थिति में इस तरह की अवैध गतिविधियों को पनपने का अवसर न मिले। प्रशासन की इस पहल को क्षेत्र में कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने और युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

समाचार संक्षेप

मछलीपालन से समिति को हो रही लाखों की आय

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

■ मां दुर्गा मछुआरा सहकारी समिति ने उन्नत तकनीक, गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज एवं परिपूरक आहार से उत्पादन में की तीन गुणा वृद्धि

महासमुंद 22 मार्च। जिले के विकासखंड बसना अंतर्गत ग्राम कुरचुन्डी की मां दुर्गा मछुआरा सहकारी समिति मर्यादित आज ग्रामीण आजीविका के क्षेत्र में सफल मत्स्य व्यवसायी के रूप में उभर रहे हैं। इस समिति में कुल 52 सदस्य हैं, जिनमें 15 महिलाएं एवं 37 पुरुष शामिल हैं। लगभग 85 हेक्टेयर जल क्षेत्र में पिछले 15 वर्षों से निरंतर मत्स्य पालन कर यह समिति आत्मनिर्भरता की दिशा में सफलतापूर्वक अग्रसर है। समिति के सदस्य बताते है कि वे पहले खेती एवं मजदूरी पर निर्भर थे, जिससे उनकी आय सीमित थी और आर्थिक स्थिति कमजोर बनी रहती थी। लेकिन मत्स्य पालन को अपनाने के बाद आज उनकी आय में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई है। जहां पहले कुल उत्पादन 7 क्विंटल और आय लगभग एक लाख 5 हजार था, वहीं अब मत्स्य विभाग के सहयोग से उन्नत तकनीक, गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज एवं परिपूरक आहार के उपयोग से उत्पादन बढ़कर 21 क्विंटल एवं आय 3 लाख 15 हजार रुपए तक पहुंच गई है।

फसलचक्र परिवर्तन से किसानों की बढ़ी आय,बचा पानी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी, 22 मार्च। कभी धान-प्रधान खेती के लिए पहचाने जाने वाले धमतरी जिले में आज कृषि का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। यहां के किसान अब परंपरागत खेती के साथ-साथ कम पानी में अधिक लाभ देने वाली फसलों को अपनाकर एक नई दिशा की ओर बढ़ रहे हैं। यह बदलाव केवल खेती का नहीं, बल्कि सोच और संसाधनों के बेहतर उपयोग का भी प्रतीक बन गया है। इस परिवर्तन के पीछे जिला प्रशासन की दूरदर्शी रणनीति और कलेक्टर अबिनाश मिश्रा का सतत मार्गदर्शन अहम भूमिका निभा रहा है। उनके नेतृत्व में फसलचक्र परिवर्तन को एक अभियान के रूप में संचालित किया गया, जिसमें किसानों को जागरूक करने, प्रशिक्षण देने और निरंतर निगरानी रखने पर विशेष जोर दिया गया। प्रशासन और कृषि विभाग की टीम ने गांव-गांव पहुंचकर किसानों से संवाद स्थापित किया, जिससे उनमें नई फसलों के प्रति विश्वास बढ़ा।

ग्राम गट्टासिल्ली तालपारा के कृषक रामप्रकाश नेताम इस बदलाव की जीवंत मिसाल हैं। पहले वे केवल धान की खेती करते थे, लेकिन अब 3.5 एकड़ खेत में मक्का की फसल लेकर बेहतर उत्पादन की ओर बढ़ रहे हैं। कृषि विभाग के अधिकारियों और ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों द्वारा उन्हें समय-समय पर मार्गदर्शन दिया जा रहा है। फसल की देखरेख, कीट प्रबंधन और उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी ने उनकी खेती को और सशक्त बनाया है। रामप्रकाश ही नहीं, बल्कि जिले के सैकड़ों किसानों ने मक्का सहित अन्य वैकल्पिक फसलों को अपनाया है। खेतों में लहराती मक्का की फसल अब इस बदलाव की गवाही दे रही है। इससे किसानों को न केवल अच्छी आमदनी मिल रही है, बल्कि खेती में जोखिम भी कम हुआ है। फसलचक्र परिवर्तन का सकारात्मक प्रभाव पर्यावरण पर भी स्पष्ट दिखाई दे रहा है। कम पानी वाली फसलों के कारण सिंचाई पर दबाव घटा है, जिससे जल संसाधनों का संरक्षण हो रहा है और भूजल स्तर को बनाए रखने में मदद मिल रही है। इसके साथ ही, विविध फसलों की खेती से भूमि की उर्वरता भी बेहतर हो रही है। यह पहल केवल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों की आय को स्थिर और टिकाऊ बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिली है और आत्मनिर्भरता की भावना भी मजबूत हुई है।

गरीब व मध्यम वर्ग को सस्ती दर, सुरक्षित एवं वैध कॉलोनियों में आवास उपलब्ध कराया जाएगा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

महासमुंद 22 मार्च। छत्तीसगढ़ शासन के आवास एवं पर्यावरण विभाग द्वारा किफायती जन आवास नियम 2025 को राज्यभर में लागू किया गया है। इस नियम का उद्देश्य गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोगों को सस्ती दरों पर व्यवस्थित, सुरक्षित एवं वैध कॉलोनियों में आवास उपलब्ध कराना है।

सहायक संचालक नगर तथा ग्राम निवेश संजू लाल सिंघ ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत छोटे भू-स्वामी भी लाभान्वित होंगे। जिनकी भूमि अधिकतम 2 एकड़ तक है, वे किफायती आवास योजना के तहत कॉलोनी विकसित कर सकेंगे। इसके लिए भूमि का न्यूनतम क्षेत्रफल 2 एकड़ एवं अधिकतम 10 एकड़ निर्धारित किया गया है। वहीं कॉलोनियों में विकसित किए जाने वाले भू-खण्डों का आकार 90 वर्ग मीटर से 150 वर्ग मीटर तक रखा गया है, जिससे मध्यम एवं निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए आवास सुलभ हो सके।

नियम के लागू होने से राज्य में अवैध प्लाटिंग पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा तथा अवैध कॉलोनियों को वैध बनाने की प्रक्रिया भी सरल होगी। इससे आम नागरिकों को कानूनी सुरक्षा प्राप्त होगी और शासन को राजस्व हानि से भी बचाया जा सकेगा। कॉलोनी विकास के नियमों में व्यावहारिक संशोधन करते हुए छोटे एवं मध्यम भूखण्डों के लिए मुख्य मार्ग की चौड़ाई 7.5 मीटर एवं आंतरिक मार्ग की चौड़ाई 6 मीटर निर्धारित की गई है। साथ ही कॉलोनियों में सामुदायिक भवन, उद्यान, व्यावसायिक क्षेत्र एवं खुले स्थान जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए डेवलपर्स को नक्शा स्वीकृति के समय घोषित सभी सुविधाओं का निर्माण अनिवार्य रूप से करना होगा, जिससे आम नागरिकों को किसी प्रकार की धोखाधड़ी से बचाया जा सके। किफायती जन आवास योजना के तहत अनुमोदन हेतु इच्छुक आवेदकों को निर्धारित प्रारूप में ऑफलाइन आवेदन आवश्यक दस्तावेजों एवं निर्धारित शुल्क के साथ कार्यालय, सहायक संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, महासमुंद में प्रस्तुत करना होगा।

स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने

पोषण स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर दिया गया जोर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी, 22 मार्च। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं, पोषण स्तर, आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यप्रणाली तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता की विस्तृत समीक्षा की गई।

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर मिश्रा ने आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन, बच्चों एवं माताओं के पोषण स्तर तथा विभागीय पोर्टलों में नियमित एवं शुद्ध प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शहरी क्षेत्रों में आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की कम उपस्थिति पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए पर्यवेक्षकों को नियमित एवं प्रभावी निरीक्षण करने तथा व्यवस्थाओं में सुधार लाने के निर्देश दिए।

कुरूद क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा गतिविधियों में कमजोरी पर चिंता जताते हुए कलेक्टर ने संबंधितों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने पोषण ट्रैकर के प्रत्येक बिंदु की गहन समीक्षा करते हुए पोषण स्तर में प्रतिमाह हो रहे उतार-चढ़ाव पर असंतोष व्यक्त किया तथा लापरवाही बरतने वाले आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने चिरायु टीम के साथ समन्वय स्थापित कर कुपोषित बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच एवं उपचार सुनिश्चित करने पर बल दिया। साथ ही ÷सुपोषित धमतरी अभियान÷ के प्रभावी प्रचार-प्रसार के लिए वीडियो एवं अन्य माध्यमों से जनजागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। मातृ वंदना योजना में लक्ष्य पूर्ति के आधार पर जिले के राज्य में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों की सराहना की।

मानवीय संवेदना के साथ गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग केयर जरूरी : कलेक्टर लंगेह

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

महासमुंद, 22 मार्च। कलेक्टर विनय लंगेह ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक लेकर मातृ मृत्यु निगरानी एवं प्रतिक्रिया तथा शिशु मृत्यु अंकेक्षण की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए समयबद्ध, संवेदनशील एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

कलेक्टर लंगेह ने निर्देश दिए कि हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाले प्रकरणों की समय पर पहचान कर उनका सतत फॉलोअप किया जाए। गर्भावस्था के साथ-साथ पोस्ट प्रेग्नेंसी (डिलीवरी के बाद) केयर पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की जटिलता को समय रहते नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सभी गर्भवती महिलाओं को निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार नियमित जांच, पोषण परामर्श एवं आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाए।

बैठक में कलेक्टर ने विशेष रूप से नर्सिंग केयर की गुणवत्ता पर जोर देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में मानवीय संवेदना का समावेश अनिवार्य है। उन्होंने निर्देशित किया कि अस्पतालों में भर्ती मरीजों, विशेषकर गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के साथ संवेदनशील व्यवहार किया जाए और उनकी देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। साथ ही उन्होंने कहा कि मरीजों को विशेष काउंसलिंग की आवश्यकता होती है। अतः इसे व्यवहार में लाएं। भर्ती कक्ष में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें।

जिला निवेश प्रोत्साहन समिति एवं धमतरी डेवलपमेंट फोरम की बैठक में निवेश एवं औद्योगिक विकास पर हुआ मंथन

धमतरी की भौगोलिक स्थिति निवेश के लिए अनुकूल : कलेक्टर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी, 22 मार्च। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की अध्यक्षता में बुधवार शाम को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला निवेश प्रोत्साहन समिति एवं धमतरी डेवलपमेंट फेरम की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक की शुरुआत में कलेक्टर ने जिले में निवेश की संभावनाओं, उपलब्ध संसाधनों एवं औद्योगिक अधोसंरचना पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि धमतरी जिला कृषि एवं प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के कारण लघु, मध्यम एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए अत्यंत उपयुक्त है। जिले में सड़कों, जल एवं विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ औद्योगिक वातावरण को बेहतर बनाने हेतु प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

बैठक मैं औद्योगिक विकास को गति देने हेतु विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें डायवर्सन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा, उद्योग स्थापना के लिए उपलब्ध लैंड बैंक की स्थिति, नवीन निवेश प्रस्तावों पर विचार-विमर्श तथा नए औद्योगिक क्षेत्रों के विकास की संभावनाओं पर विशेष रूप से चर्चा की गई। साथ ही, राज्य शासन की औद्योगिक नीति 2024-30 के अंतर्गत उपलब्ध अनुदान प्रावधानों की जानकारी एवं उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विचार किया गया। कलेक्टर ने जानकारी दी कि जिले में अब तक विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों एवं क्लस्टरों के लिए भूमि चिन्हांकन एवं आवंटन की प्रक्रिया में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। जीजामगांव में स्थापित फूड पार्क पूर्ण रूप से तैयार होकर संचालित हो रहा है, जबकि करेली बड़ी एवं श्यामतराई में औद्योगिक क्लस्टरों के विकास हेतु भूमि आवंटन एवं आधारभूत संरचना निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त छाती एवं कचना क्षेत्र में मेगा फूड पार्क हेतु भूमि चिन्हांकन कर डबल्प किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि जिले में कुल पाँच औद्योगिक क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (रूस्स्ध) को प्रोत्साहन मिलेगा। इन क्लस्टरों में सड़क, विद्युत, जलापूर्ति एवं लॉजिस्टिक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है, जिससे उद्योग स्थापना की प्रक्रिया सरल होगी। साथ ही उद्योगों के लिए आवश्यक अनुमतियों को समय-सीमा में जारी करने हेतु ÷सिंगल विंडो सिस्टम÷ को प्रभावी बनाया गया है। कलेक्टर ने यह भी बताया कि धमतरी की भौगोलिक स्थिति निवेश के लिए अनुकूल है। राजधानी रायपुर एवं दुर्ग-भिलाई से निकटता, भारतमाला परियोजना के अंतर्गत बेहतर सड़क संपर्क एवं प्रस्तावित रेल सुविधा से जिले की कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। धमतरी एवं कुरूद क्षेत्र में रेलवे रैक प्वाइंट के निर्माण से औद्योगिक परिवहन को बढ़ावा मिलेगा।

बैठक में वनोपज संघ के सत्यनारायण राठी, राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन सांखला, अरवा राइस मिल के अध्यक्ष राजेश गोलछा, संरक्षक राजेंद्र लुंकड, चैंबर ऑफ कॉमर्स के दिनेश रोहरा एवं कुकरेजा, वाइल्ड लाइफवेलफेयर के गोपी साहू, राकेश झंवर सहित विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि, उद्योगपति, व्यापारी एवं चेंबर ऑफ कॉमर्स, ट्रांसपोर्ट, होटल, मेडिकल/हॉस्पिटल, टिंबर सदस्य, वनोपज एवं शिक्षा जैसे सभी प्रमुख सेक्टरों के प्रतिनिधियों की उपस्थित थे।

जल संचयन के लिए गांवों में दीवार लेखन, रंगोली और नारों से लोगों को किया जा रहा जागरूक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 22 मार्च। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन एवं सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल के नेतृत्व में मोर गांव, मोर पानी महाभियान 2.0 अंतर्गत जिले जल संरक्षण हेतु अभियान चलाया जा रहा है। जल संरक्षण में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी के लिये गांव -गांव में दीवार लेखन, रंगोली, रैली, जल संरक्षण शपथ के माध्यम से जनजागरूकता लाई जा रही है।

जल संचयन वाहिनी एवं समूह की महिलाएं ग्राम पंचायत कार्यालय, स्कूल, आंगनबाडी केन्द्र सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों में जल संरक्षण हेतु हैंड पम्प एवं घरों के पास सोखता गड्ढा निर्माण के लिये आकर्षक रंगोली से सन्देश दिया जा रहा है। इसके साथ ही सुंदर दीवार लेखन भी किया जा रहा है। जागरूकता रैली में महिला,पुरुष, युवा और बच्चे भी बढ़ -चढ़कर शामिल हो रहे है। तालाबों, नहरों एवं हैंडपम्प के आस -पास की साफसफाई भी जोर शोर से किया जा रहा है। मोर गांव मोर पानी महाभियान अंतर्गत 13मार्च से 20 मई तक ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकायों में विविध आयोजन हेतु कार्यक्रम निर्धारित किया गया है जिसमें अलग -अलग तिथियों में भिन्न -भिन्न कार्यक्रम होंगे। सभी हैंडपम्प, टेप नल, सरकारी भवन एवं पीएम आवास योजना अंतर्गत निर्मित मकानो के पास सोखता गड्ढा व रैन वाटर हार्वेस्टिंग संरचना निर्माण किया जाएगा। वहीं जल संचय जनभागीदारी अंतर्गत भी विभिन्न संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। इस वर्ष लगभग 1 लाख 9 हजार जल संचयन एवं जल संरक्षण के कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

एक नजर

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से बिना किसी चिन्ता के घर में मिल रही बिजली

रायपुर, 22 मार्च। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने जशपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की नई राह खोल दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन जिले में किया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। बगीचा विकासखंड के ग्राम चम्पा निवासी श्री कोइरा राम इसकी एक सशक्त उदाहरण हैं। उन्होंने अपने घर में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 2 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया है। श्री कोइरा राम बताते हैं कि सोलर पैनल लगने से पहले उन्हें हर महीने अधिक बिजली बिल चुकाना पड़ता था, जिससे घरेलू खर्च पर अतिरिक्त बोझ पड़ता था। लेकिन सोलर पैनल लगने के बाद उनका बिजली बिल शून्य हो गया है और अब वे बिना किसी चिंता के बिजली का उपयोग कर पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल स्थापना की कुल लागत लगभग 1.20 लाख रुपये आई, जिसमें शासन की ओर से 90 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। शेष राशि वहन करना उनके लिए भी आसान हो गया, क्योंकि योजना के अंतर्गत उन्हें समय पर मार्गदर्शन और सहयोग मिला। इससे न केवल उनकी मासिक बचत बढ़ी है, बल्कि वे स्वच्छ और हरित ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण में भी सहभागी बन रहे हैं। श्री कोइरा राम का कहना है कि यह योजना ग्रामीण परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, क्योंकि इससे एक ओर बिजली खर्च से राहत मिल रही है, वहीं दूसरी ओर आत्मनिर्भरता की भावना भी मजबूत हो रही है। उन्होंने इस जनहितकारी योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में सरकार आम नागरिकों के जीवन को आसान और सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

आधुनिक तकनीक से खेती कै बनाया नया मॉडल किसान मुकेश ने

रायपुर, 22 मार्च। बहु-फसली पद्धति के माध्यम से जैविक खेती को नया रूप दे रहा है, जो मिट्टी के स्वास्थ्य, लचीलेपन और उपज को बढ़ावा देती है। श्री मुकेश कुजूर पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक टिकाऊ कृषि सिद्धांतों के साथ जोड़ता है-यह दर्शाता है कि प्रकृति के साथ खेती करना न केवल पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि लाभदायक, जलवायु-अनुकूल खेती का भविष्य भी है। जशपुर जिला के विकास खंड बगीचा के ग्राम पंचायत भीतघरा के प्रगतिशील किसान मुकेश कुजूर जैसे किसान बहु-फसली खेती के माध्यम से आय दोगुनी कर सफलता का नया मॉडल पेश कर रहे हैं। टमाटर, पत्तागोभी, मक्का,खीरा और गेंदा फूल जैसी फसलें उगाकर ये किसान एक ही जमीन से वर्ष भर सीजनल और वार्षिक मुनाफा कमा रहे हैं। इस तकनीक से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और खरपतवार नियंत्रित रहते हैं। ग्राम पंचायत भीतघरा, बगीचा विकास खंड के मुकेश कुजूर ने दिखा दिया कि नई सोच और आधुनिक तकनीक से खेती को ज्यादा लाभकारी बनाया जा सकता है। 25 एकड़ में टमाटर, पत्ता गोभी, मक्का, खीरा और गेंदा की बहु-फसली खेती कर ये बना रहे हैं सफलता का नया मॉडल अगर आप भी सीखना चाहते हैं ऐसी ही नई तकनीकें, तो 23-25 मार्च को कृषि क्रांति एक्सपो, कुनकुरी (जशपुर) में जरूर आएँ।भीतघरा के किसान मुकेश कुजुर ने अपने 25 एकड़ खेत को नवाचार का मॉडल बना दिया है। किसान अपने खेतों में बहुफसली खेती से जिले के दूसरे किसानों को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। किसान मुकेश ने नई सोच और प्रयोगों से साबित किया है कि समझदारी से खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है।उन्होंने बताया कि वे सिंचाई के लिए ड्रिप और मल्चिंग से टमाटर की खेती करते हैं। खेतों के बीच बीच में मक्का और गेंदा का फूल भी लगाए हैं जिससे उनको अतिरिक्त आमदनी हो जाती है। उन्होंने बताया कि कृषि वैज्ञानिक की सलाह और मार्गदर्शन में कौन सी किटनाशक दवाइयों का उपयोग करना है कितनी मात्रा में करना इसकी भी जानकारी उन्हें है। किसान मुकेश ने बताया कि ड्रिप लगाने का फायदा यह होता है कि सिंचाई के लिए कम पानी की आवश्यकता होती है। इसी से खाद भी सीधे पौधों तक पहुंचाया जाता है। कम पानी से अच्छी फसल ली जा सकती है। किसान मुकेश ने बताया की बरसात में खीरा की फसल लेते हैं और गर्मी में मक्का की फसल ले रहे हैं खीरा और मक्का के उत्पादन से उन्हें अच्छी आमदनी हो जाती है।

सरगुजा जिले में दो दिवसीय राज्य स्तरीय तिलहन किसान मेले का किया शुभारंभ

किसानों से किया हर एक वादा पूरा कर रही है हमारी सरकार : मुख्यमंत्री साय

रायपुर, 22 मार्च। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सरगुजा जिले के अंबिकापुर स्थित राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र में दो दिवसीय राज्य स्तरीय तिलहन किसान मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर किसानों को दी जा रही आधुनिक कृषि तकनीकों और तिलहन उत्पादन बढ़ाने के उपायों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत साल का पौधा रोपित किया और पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है, जहां लगभग 80 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार किसानों से धान की खरीदी 21 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से 3100 रुपये में कर रही है तथा अंतर की राशि का भुगतान भी एकमुश्त किया जा रहा है। श्री साय ने कहा कि पिछले 2 वर्षों से हमारी सरकार किसानों से किया हर एक वादा पूरा कर रही है। उन्होंने किसानों से संवाद कर होली के पूर्व धान के अंतर की राशि का भुगतान तथा योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी भी ली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हो चुका है, लेकिन तिलहन उत्पादन में अभी भी कमी है। वर्तमान में देश अपनी आवश्यकता का लगभग 57 प्रतिशत ही तिलहन उत्पादन कर पा रहा है, शेष 43 प्रतिशत आयात करना पड़ता है। इस कमी को दूर करने के लिए तिलहन विकास परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे वैज्ञानिकों के सुझावों को अपनाकर तिलहन उत्पादन बढ़ाएं। उन्होंने जानकारी दी कि कृषक उन्नति योजना की तर्ज पर तिलहन फसलों के लिए प्रति एकड़ 11 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि देने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और मत्स्य पालन जैसे सहायक व्यवसायों को अपनाकर आय बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि जीएसटी में सुधार के बाद कृषि यंत्रों की कीमतों में कमी आई है, जिससे किसानों को लाभ मिल रहा है।

कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान का उल्लेख करते हुए कहा कि देश को खाद्य तेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना आवश्यक है। उन्होंने किसानों से दलहन एवं तिलहन फसलों का उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने तिलहन विकास कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि किसानों को विश्वविद्यालय के माध्यम से उन्नत बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। राज्य में संचालित 28 कृषि महाविद्यालयों, 27 कृषि विज्ञान केंद्रों एवं अनुसंधान संस्थानों के जरिए हर वर्ष लगभग 50 हजार किसानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद श्री चिंतामणि महाराज, विधायक श्री प्रबोध मिंज, विधायक श्री रामकुमार टोप्पो, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष श्री राम किशुन सिंह, सभापति श्री हरविंदर सिंह, श्री राम लखन पैंकरा, संभाग आयुक्त श्री नरेंद्र कुमार दुग्गा, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

सरगुजा ओलंपिक का शुभारंभ

रायपुर 22 मार्च। नवरात्रि के पावन बेला में मां महामाया की धरा से यह शुभ शुरुआत हुई है। मां महामाया के आशीर्वाद पिछले दो वर्षों से बस्तर ओलंपिक का आयोजन हो रहा है और आज सरगुजा अंचल के साथियों को ओलंपिक के जरिए अपनी हुनर दिखाने का अवसर मिला है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज सरगुजा जिले के अंबिकापुर स्थित पी जी कॉलेज ग्राउंड में सरगुजा ओलंपिक का शुभारंभ किया और कार्यक्रम का शुभारंभ कर अंचल वासियों को शुभकामनाएं दी। श्री साय को इस दौरान संभाग के सभी जिलों से पहुँचे खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट का सलामी दी। मुख्यमंत्री ने मुख्य मंच से सभी खिलाड़ियों का अभिवादन स्वीकारा और खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की। मुख्यमंत्री श्री साय ने मां महामाया का स्मरण करते हुए प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक की सफलता के बाद अब सरगुजा में भी इस आयोजन की शुरुआत की गई है, जिससे यहां के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि बस्तर ओलंपिक में पहले वर्ष 1.65 लाख और इस वर्ष 3.91 लाख प्रतिभागियों ने भाग लिया, जबकि सरगुजा ओलंपिक में इस बार लगभग 3.49 लाख खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। इनमें से 2000 से अधिक खिलाड़ी संभाग स्तरीय तीन दिवसीय प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 3 लाख 49 हजार खिलाड़ियों की स्वस्फूर्त सहभागिता खेल के प्रति उनके प्रेम और समर्पण को दिखाता है।

चिरायु योजना से काव्या और गुनीत को मिला नया जीवन

महासमुंद 22 मार्च। जिले में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित चिरायु योजना जिले के दो मासूम बच्चों के लिए जीवनदायिनी साबित हुई है। इस योजना के माध्यम से बागबाहरा विकासखंड के दो छोटे बच्चे काव्या यादव उम्र 2 वर्ष और गुनीत बघेल उम्र 4 वर्ष को जन्मजात हृदय रोग से मुक्ति मिली और उन्हें नया जीवन मिला। यह शहरी चिरायु टीम की सजगता और तत्परता का परिणाम रहा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई. नागेश्वर राव के निर्देशन में टीम लगातार आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कर रहे है। इसी क्रम में आंगनबाड़ी भ्रमण के दौरान चिकित्सक डॉ. सुजाता शुक्ला, डॉ. विकास चौहान और लैब तकनीशियन श्रीमती चन्द्रकला साहू ने दोनों बच्चों की जांच की। परीक्षण के दौरान बच्चों में असामान्य श्वसन दर, अत्यधिक थकान और कमजोरी जैसे लक्षण पाए गए, जिससे हृदय रोग की आशंका हुई। चिरायु टीम ने बिना देरी किए दोनों बच्चों को उच्चस्तरीय जांच और उपचार के लिए रायपुर स्थित नारायणा एमएमआई हॉस्पिटल रेफर किया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने की भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण की समीक्षा

रायपुर, 22 मार्च। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज भोरमदेव मंदिर परिसर में भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण से जुड़े विभागों और ठेकेदारों की मैराथन समीक्षा बैठक ली।उन्होंने प्रोजेक्ट में मुख्य मंदिर परिसर का उन्नयन, सरोवर का सौंदर्यीकरण, मड़वा महल, छेरकी महल, रामचुवा, सरोदा, पार्किंग में अब तक हुए कार्यों की प्रगति की गहनता से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता और समय सीमा पर पूर्णता इन दो पैमानों पर सभी कामों की मॉनिटरिंग होगी। इसके लिए जिला स्तर पर निगरानी समिति गठित की गई है। उन्होंने सभी ठेकेदारों से कहा कि 15-15 दिन में किए जाने वाले कार्यों की टाइमलाइन दें। निगरानी समिति को हर सोमवार कार्यस्थल का मुआयना कर प्रगति की समीक्षा के निर्देश दिए। इस दौरान निर्माण कार्य में लगे सभी प्रोजेक्ट इंचार्ज और इंजीनियर्स को अनिवार्य रूप से मौजूद रहने के लिए कहा। काम में किसी भी प्रकार की लापरवाही होने पर कड़ी कार्रवाई की बात कही।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने समीक्षा के दौरान कहा कि मुख्य मंदिर परिसर में पेड़ों के इर्द गिर्द यहां दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बैठने के लिए चबूतरे बनवाये जाएं। मंदिर परिसर में जो भी प्रवेश द्वार और खंभे बनने का रहे हैं उनमें 'फनी नागवंशी' स्थापत्य की झलक दिखे, ऐसी संरचनाएं बनाई जाएं, लकड़ी के दरवाजों में इसी के अनुसार की नक्काशी की जाए। मुख्य प्रवेश द्वार सहित सभी द्वार भव्य रूप से बनाए जाएं।

उन्होंने कहा कि सरोवर स्थल में पिचिंग और लाइनिंग का काम तकनीकी उत्कृष्टता के साथ किया जाए। उन्होंने सरोवर तट पर सीढ़ियां तथा उसके ऊपर शेड का निर्माण व्यवस्थित रूप से करने के लिए कहा ताकि श्रद्धालु वहां आराम से बैठ सकें। सरोवर के किनारे लगने वाले स्ट्रीट लाइट के पोल भी आकर्षक रूप से तैयार करवाए जाएं जो पूरे मार्ग को भव्यता प्रदान करे।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने मंदिर परिसर में बनने वाले विश्राम स्थल में दरवाजे खिड़की इस प्रकार से लगाए जाएं जो पूरे भवन को भव्यता के साथ पर्याप्त हवा और रोशनी प्रदान करें। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर में लगने वाली कलाकृतियों में स्थानीयता और लोक संस्कृति की छाप दिखनी चहिए। उन्होंने पार्किंग स्थल पर वाहनों के लिए पर्याप्त स्थान के साथ मजबूत फ्लोरिंग तैयार करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि पार्किंग में करीब बनने वाले दुकानों को इस प्रकार से बनाया जाए जिससे पार्किंग स्थल पर वाहनों का प्रवेश और निकासी व्यवस्थित और सुचारु रूप से संचालित हो। उन्होंने पूरे कॉरिडोर में पेयजल, शौचालय जैसे जनसुविधाओं का विशेष रूप से ध्यान रखने के निर्देश दिए।

अटल डिजिटल केंद्रों से 2.78 लाख ट्रांजेक्शन, 84.23 करोड़ का लेनदेन

रायपुर 22 मार्च। कोंडागांव जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं को सुलभ बनाने अटल डिजिटल केंद्र खोले गए हैं। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि गांव में संचालित इन केंद्रों के माध्यम से अब ग्रामीणों को बैंकिंग और शासकीय सेवाएं उनके घर के पास ही मिल रही हैं। इससे शहर जाने की जरूरत कम हुई है और समय के साथ खर्च की भी बचत हो रही है। अटल डिजिटल केंद्रों के जरिए ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाएं, बिजली बिल जमा, डीटीएच रिचार्ज, महतारी वंदन योजना की राशि आहरण, श्रम कार्ड से जुड़ी सेवाएं, डिजी-पे के माध्यम से शासकीय योजनाओं की राशि प्राप्त करना व वाहन व स्वास्थ्य बीमा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे ग्रामीण अब सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। जिले की 260 ग्राम पंचायतों में वीएलई के साथ एमओयू कर सेवाओं का विस्तार किया गया है। अटल डिजिटल केंद्रों के माध्यम से अब तक 2,78,083 ट्रांजेक्शन किए जा चुके हैं, जिनके जरिए 84 करोड़ 23 लाख 23 हजार 76 रुपये का लेनदेन हुआ है।

नगर निगम अपर आयुक्त ने जल संसाधन विभाग से प्राप्त हो रहे कच्चे जल का प्रतिदिन मॉनिटर कर विभाग से समन्वय बनाने दिए निर्देश

रायपुर 22 मार्च। आज रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के आदेशानुसार नगर निगम अपर आयुक्त श्री लोकेश्वर साहू द्वारा इंटेकवेल स्थित सागर , सरिता ,नीर क्षीर एवं खारुन पंप हाउस से रॉ वाटर पंपों का निरीक्षण कर संचालित पंपों की क्षमता , संचालन की स्थिति , सभी सब स्टेशन 33 के वी/11के वी की प्रशासनिक व्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया. इस दौरान नगर निगम कार्यपालन अभियंता जल श्री नर सिँह फरेन्द्र सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी और कर्मचारीगण की इंटेकवेल में उपस्थिति रही. नगर निगम अपर आयुक्त श्री लोकेश्वर साहू द्वारा सभी पंपों तथा मोटर इत्यादि का मेंटेनेंस ग्रीष्म ऋतु में कोई दिक्कत न हो, इसलिए सभी पाट्र्स तथा पूर्व से सर्विसिंग करने के निर्देश दिए. इसके साथ ही अपर आयुक्त ने नदी में जल संसाधन विभाग से प्राप्त हो रहे

कच्चे जल का लेवल प्रतिदिन मॉनिटर कर विभाग से समन्वय बनाने के निर्देश दिए.

चेटीचंड पर्व पर निकली शोभायात्रा का इन्द्र साव के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने किया स्वागत

यह दिन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि सिन्धी समाज की आस्था, संस्कृति, और पहचान का प्रतीक : साव

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा 22 मार्च। सिन्धियत दिवस और चेटीचंड पर्व के अवसर पर भगवान झूलेलाल की शोभायात्रा का स्थानीय कांग्रेस जनों ने विधायक इंद्र साव के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया,इस दौरान विधायक इंद्र साव ने भगवान झूलेलाल की आरती उतारकर शोभायात्रा में शामिल लोगों को बधाई और शुभ कामना दी।इस अवसर पर विधायक इंद्र साव ने अपने संदेश में कहा कि आज अत्यंत पवित्र और गौरवपूर्ण अवसर है जब हम सिन्धियत दिवस और चेटीचंड पर्व मना रहे हैं। यह दिन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि सिन्धी समाज की आस्था, संस्कृति, और पहचान का प्रतीक है।

चेटीचंड का यह पावन दिवस भगवान झूलेलाल के अवतरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। भगवान झूलेलाल ने समाज को सत्य, एकता, प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने हमें सिखाया कि चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि हमारे मन में श्रद्धा और एकता है तो हम हर चुनौती का सामना कर सकते हैं।

विधायक ने समाज के लोगों से आह्वान किया कि समाज के लोग सिन्धी भाषा, संस्कृति और परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाएँगे और भगवान झूलेलाल के संदेश को अपनाते हुए समाज में सद्भाव, सेवा और मानवता के मूल्यों को और अधिक मजबूत करेंगे ताकि यह समाज देश की प्रगति में और योगदान दें सके तभी इस पर्व का सच्चा महत्व सिद्ध होगा।

इस अवसर पर विधायक इंद्र साव के साथ शोभायात्रा के स्वागत में ईश्वर सिंह ठाकुर,राजकुमार शर्मा, दिवाकर मिश्रा अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी,आलोक मिश्रा,त्रिलोक सलूजा,चंद्रशेखर चक्रधारी,अजय ठाकुर,ठाकुर राम साहू, चंद्रकांत खूंटे,नानू सोनी,नेम तिवारी,नितिन शुक्ला, राजदीपक पांडे मनमोहन कुर्रे मोहन निषाद ओमप्रकाश यदु,शेषनारायण यदु,धनंजय कुर्रे,शशांक बंजारे,सुरेश वाधवानी, गिरीश पारप्याणी, श्रीमती हिरमत साहू,विक्रम लिलवानी पीलाराम साहू,इकबाल खान,गिरिराज चावड़ा सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वनौषधि परंपरा के संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : वन मंत्री केदार कश्यप

रायपुर, 22 मार्च। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप आज छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के नवनियुक्त उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला के पदभार ग्रहण समारोह में शामिल हुए। यह कार्यक्रम राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर, जीरो प्वाइंट, रायपुर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा , विधायक श्री किरण सिंह देव, विधायक श्री अनुज शर्मा और विधायक श्री इंद्रकुमार साहू अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ एक वन संपदा से समृद्ध राज्य है, जहां लगभग 44.21 प्रतिशत क्षेत्र में वन हैं। यहां के वनों में विभिन्न प्रकार की वनौषधियां पाई जाती हैं, जिनका उपयोग प्राचीन काल से उपचार के लिए किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करने और आमजन तक इसके लाभ पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2012 से 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन श्री अंजय शुक्ला द्वारा उपाध्यक्ष का पदभार ग्रहण करना एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके अनुभव से औषधि पादप बोर्ड को मजबूती मिलेगी और यह नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। समारोह में तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि औषधि पादप बोर्ड द्वारा वैद्य सम्मेलन, वनौषधि प्रदर्शनी और जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि श्री शुक्ला के मार्गदर्शन में बोर्ड और बेहतर कार्य करेगा। कार्यक्रम को विधायक श्री किरण सिंह देव ने भी संबोधित करते हुए कहा कि श्री शुक्ला के अनुभव का लाभ औषधि पादप बोर्ड को मिलेगा और बोर्ड नए आयाम स्थापित करेगा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम ने कि राज्य सरकार वन औषधीय के पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण और संवर्धन के लिए पादप बोर्ड का गठन किया है। जो लगातार बेहतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने श्री शुक्ला को बधाई देते हुए कहा पादप बोर्ड को उनके अनुभव का निश्चित ही लाभ मिलेगा और बोर्ड बेहतर नवाचार करेगा। कार्यक्रम में अपेक्स बैंक के अध्यक्ष श्री केदारनाथ गुप्ता, खाद्य आपूर्ति निगम के अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव, श्री अशोक पाण्डे, श्री श्याम नारंग सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जे.ए.सी.एस. राव श्री सुरेन्द्र पाटनी, श्री अमित साहू, श्री आलोक साहू सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

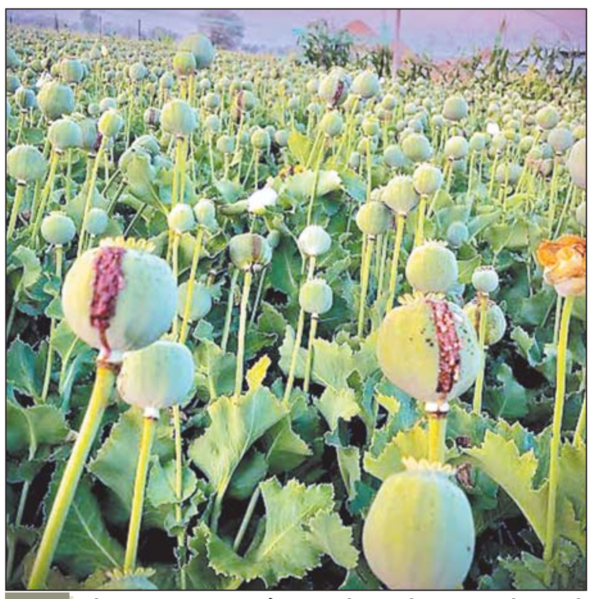

न तुम होश में हो, न हम होश में हैं... चलो मयकदे में, वहीं बात होगी...

छत्तीसगढ़ फिलहाल सूखे नशे की गिरफ्त में है।अफीम और गांजा दोनों ही नशीले पदार्थ हैं। अफीम पोस्त के पौधे से प्राप्त होती है, इसमें मॉर्फिन जैसे घटक होते हैं।गांजा, कैनाबिस (भांग) के पौधे से प्राप्त होता है, मुख्य रूप से मादा पौधों के फूलों और पत्तियों से बनता है और मानसिक उत्तेजना का कारण बनता है ये दोनों स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं, इनका सेवन नशा पैदा करता है।अफीम, गांजा, चरस और भांग- चार नाम, लेकिन नशे की दुनिया में इनका असर और पहचान बिल्कुल अलग- अलग है।कई लोग इन्हें एक जैसा समझ बैठते हैं, लेकिन असली फर्क इतना चौंकाने वाला है कि जानकर हैरान रह जाएंगे।कौन सा नशा कैसे बनता है?किसकाअसर सबसे तेज होता है? और कौन सी चीज शरीर को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है? सवालों का जवाब ऐसी दुनिया के भीतर ले जाएगा, पौधे से लेकर पाउडर तक हर कदम पर छिपा हैखतरनाक सच.. नशे का नाम उठते ही पहले गांजा, चरस, अफीम, भांग जैसे शब्द सामने आते हैं. दिखने में एक जैसे लगने वाले नशे वास्तव में अलग तरीके से तैयार किये जाते हैं, शरीर पर इनका असर भी अलग होता है।भारत में इनके उपयोग, उत्पादन को लेकर कानून काफी सख्त हैं, फिर भी इनके बारे में लोगों में आधी-अधूरी जानकारी रहती है।भ्रम को दूर करने के लिए जरूरी है कि इनके बनने के तरीके, असर और नुकसान को सरल शब्दों में समझा जाए। अफीम पोस्त के पौधे से निकलने वाला सख्त, चिप चिपा रस होता है, जब पौधे की फलियों पर कट लगाई जाती है, तो निकलने वाला सफेद दूध जैसा लिक्विड हवा लगते ही भूरा हो जाता है, यही सूखा हुआ पदार्थ अफीम कहलाता है। इसमें मॉर्फिन, कोडीन जैसे अत्यधिक नशीले तत्व होते हैं। अफीम का तो असर बहुत तेज होता है और यह शरीर की नसों को सुन्न कर देती है, नशा लंबा चलताहै, एडिक्शन होने की संभावना बेहद ज्यादा होती है।गांजा भांग के पौधे की पत्तियों और फूलों को सुखाकर मिलता है। इसमें ञ्॥ष्ट (ञ्जद्गह्लह्म्ड्ड4स्र्रह्म्ष्ड्डठ्ठठ्ठड्डड्डद्बठ्ठशद्य) का रसायन होता है, जो दिमाग पर सीधे असर डालता है, गांजे का नशा मध्यम स्तर का माना जाता है, यह मूड, सोच, टाइम -सेंस को प्रभावित करता है, लेकिन ओपियम जितना खतरनाक नहीं माना जाता है।चरस भी भांग के पौधे से ही बनती है, लेकिन इसकी प्रक्रिया अलग होती है। ताजे पौधे के फूलों को ही हाथ से रगड़कर एक काला, चिकना रेजिन निकाला जाता है, यही चरस है, यह गांजे से काफी ज्यादा नशीला होता है, चरस का असर तेज, गहरा होता है। कम मात्रा में भी इसके नशे का प्रभाव लंबा चलता है।

सड़क हादसा : रोज 12 की मौत....

छत्तीसगढ़ में सड़क हादसों में रोज औसत 12 लोगों की असमय मौत हो रही है। एक साल में ही रफ्तार ने छीनीं 4250 जिंदगियां, रायपुर में सबसे ज्यादा मौतें होना भी

चर्चा में है।औसतन हर महीने 1, 319 हादसे हो रहे साल भर के भीतर 17, 643 सड़क हादसे 3, 012 लोग गंभीर रूप से घायल हुए।छत्तीसगढ़ में बेकाबू रफ्तार काल बन गई है। पिछले एक साल के आंकड़ों ने सड़क सुरक्षा के दावों की पोल खोल दी है।छ्ग में साल भर के भीतर कुल 17, 643 सड़क हादसे दर्ज किए गए, 4, 250 लोगों की जान चली गई।औसतन हर महीने 1, 319 हादसे हो रहे हैं, 318 परिवार अपनों को खो रहे हैं।रायपुर, हादसों, मौतों में शीर्ष पर है, सर्वाधिक 425 लोगों की मृत्यु हुई, इसके बाद दुर्ग, कोरबा, राय गढ़ का स्थान है। दुर्घटनाओं में 3, 012 लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं।पुलिस प्रशासन की सख्ती के बावजूद ब्लैक स्पॉट, यातायात नियमों की अनदेखी मौतों की मुख्य वजह बनी है, सड़क हादसों के मामले में प्रदेश की राज धानी की स्थिति सबसे चिंता जनक है।रायपुर जिला हादसों, मौतों, दोनों ही सूची में टॉप पर बना हुआ है। बीते 1 साल में रायपुर में सर्वाधिक 2, 368 सड़क दुर्घटना में 425 लोगों की मौत हुई है। रायपुर के साथ दुर्ग, बिलासपुर और कोरबा ही वे जिले हैं जहां हादसों की संख्या एक हजार के पार पहुंची है, हादसों के बाद अस्पताल में दम तोड़ने वाले नागरिकों की संख्या 61 रही। चौंकाने वाली बात यह है कि मौके पर होने वाली मौतों के अलावा उपचार के दौरान सर्वाधिक मौतें सुकमा जिले में 22 हुई है। वहीं सीएम विष्णुदेव साय के गृह जिले जशपुर में आंकड़ा 12 रहा, जो मनेंद्रगढ़- चिरमिरी-भरतपुर जिले के बराबर है। वहीं, छ्ग में गंभीर रूप से घायलों की संख्या 3, 012 दर्ज की गई है, सबसे अधिक युवा हादसे के शिकार होने के साथ मौत के मुंह में समा रहे हैं। पुलिस, परिवहन विभाग भी जागरूकता अभियान चला कर मौतों को कम करने की कोशिश में लगे हैं। वाहन चालक यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने लगे तो काफी हद तक हादसों को रोका जा सकता है।

स्थायी डीजीपी कब..! यूपीएससी ने माँगा स्पष्टीकरण...

छत्तीसगढ़ में पुलिस महा निदेशक (डीजीपी) की पूर्ण कालिक नियुक्ति को लेकर छ्ग सरकार की अब मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। संघ लोक सेवा आयोग ने छ्ग सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है, अब तक

स्थायी डी जी पी की नियुक्ति क्यों नहीं की गई? यूपीएससी ने प्रदेश के मुख्य सचिव विकासशील को पत्र लिखा कि सरकार ने अभी तक पूर्णकालिक डी जीपी नियुक्ति से संबंधित अधि सूचना आयोग को नहीं भेजी है।आयोग ने अपने पत्र में सुप्रीम कोर्ट के 3 जुलाई 2018 के आदेश का हवाला देते हुए पूछा है, नियुक्ति में देरी क्यों हो रही है? सरकार ने 1992 बैच के आईपीएस अरुणदेव गौतम को 4 फरवरी 25 को डीजीपी का प्रभार सौंपा था।अशोक जुनेजा के सेवानिवृत्त होने पर पदभार संभाला, लेकिन पूर्णकालिक डीजीपी के बजाय प्रभारी डीजीपी के रूप में जिम्मेदारी दी गई। यूपीएससी ने 13 मई 2025 को योग्य आईपीएस अधिकारियों का पैनल राज्य को भेज दिया था।नियमों के मुताबिक छ्ग सरकार को उसी पैनल में शामिल एक अधिकारी को ही पूर्णकालिक डीजीपी नियुक्त करना था, लेकिन अब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। यह मुद्दा पहले भी चर्चा में आ चुका है। नवा रायपुर में 28 से 30 नवंबर 25 को आयोजित डीजी कॉन्फ्रेंस के दौरान भी स्थायी डीजीपी नहीं था। उस समय भी सवाल उठे थे कि जिस राज्य में देशभर के पुलिस प्रमुखों की बैठक हो रही है, उसमें पूर्णकालिक डीजीपी की नियुक्ति नहीं है दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले प्रकाश सिंह बनाम केंद्र सर कार में स्पष्ट कहा है, किसी भी राज्य में प्रभारी डीजीपी की व्यवस्था स्थायी रूप से ही नहीं चल सकती..नियुक्ति यू पीएससी के पैनल से ही की जानी चाहिए।अब यूपीएससी की चिट्ठी के बाद मामला प्रशासनिक, राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। माना जा रहा है कि राज्य सर कार को जल्द ही इस मुद्दे पर स्पष्ट फैसला लेना पड़ सकता है।

डॉ रवि मित्तल : जशपुर कलेक्टर से पीएमओ तक...

छग के जनसंपर्क आयुक्त तथा सीएम के संयुक्त सचिव आईएएस डॉ रवि मित्तल को केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में डिप्टी सेक्रेटरी पद पर नियुक्त किया है।यह नियुक्ति कैबिनेट की नियुक्ति समिति(एसीसी) की मंजूरी के बाद कीगई, कार्मिक प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा जारी आदेश के मुता बिक, मित्तल का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की से 4 वर्ष का होगा या फिर अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा।रवि मित्तल 2016 बैच के छ्ग काडर के आईएएस हैं। 10 साल आईएएस की नौकरी में जशपुर कलेक्टर से आयुक्त जनसम्पर्क, संयुक्त सचिव सीएम से सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय में पदस्थापना निश्चित ही उल्लेखनीय कही जा सकती है।

एसएसपी दुर्ग की अभिनव पहल...

दुर्ग जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने बताया कि महिलाओं से प्रता ड़ना का शिकार होने वाले पुरुषों, संतानों की उपेक्षा का शिकार होने वाले बुजुर्गों की शिकायतें लगातार मिल रही थी।शिकायतों का निराकरण करने महिला थाना में परिवार परामर्श केंद्र स्थापित किया गया है। सुनवाई के लिये 2 अलग -अलग बेंच बनाई गई है। पूरी गंभीरता से बेंच में शामिल सदस्य प्रकरण की सुनवाई करते हैं। काउंसिलिंग के जरिये प्रकरण निबटाये जाते हैं। मामलों का न्यायपूर्ण समाधान होने से घरेलू हिंसा की घटनाएं कम हो रही है। पत्नी पीड़ित पुरुष, संतानों से ठुकराए बुजुर्गों के लिए अब सहारा बनी है। एसएसपी विजय अग्रवाल की पहल, दुर्ग मॉडल की देशभर में चर्चा......!आमतौर पर पुलिस का काम कानून-व्यवस्था का राज कायम करना होता है। लेकिन, दुर्ग में हो रही अनु करणीय पहल देश के लिये उदाहरण बन चुकी है। बेहतर पुलिसिंग का चेहरा सामने आया है।भिलाई महिला थाना में हर रविवार को मजलूम, मजबूर, लाचार बुजुर्गों को न्याय दिलाने की कोशिश की जाती है, जिनकी संतानों ने वृद्ध माता-पिता का ध्यान रखने की बजाय बेबस हाल में छोड़ दिया है। पुलिस की एक और बेंच महिला प्रता ड़ना का शिकार होने वाले पुरुषों को न्याय दिलाने की पहल करती है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकअग्रवाल, अपराधियों के लिये सख्त, जनसामान्य के लिये उतने ही जेंटलमैन अफसर माने जाते हैं। बुजुर्गों, पत्नी प्रताड़ना का शिकार होने वाले लोगों की शिकायतें लगातार मिलने पर पुलिस कप्तान ने दो अलग-अलग बेंच का गठन किया। यही बेंच

पीड़ितों को न्याय दिलाने काउंसिलिंग करती है। परि वार परामर्श केंद्र में मिलने वाली काउंसिलिंग के शानदार नतीजे सामने आने लगे हैं। ज्यादातर मामले काउंसिलिंग के जरिये आपसी सुलह, सम झौते से निबटाए जा रहे हैं। पहल का बड़ा फायदा है कि महिलाओं या पत्नी से प्रता ड़ित होकर मानसिक, आर्थिक रूप से त्रस्त हो चुके पुरुषों को भी न्याय मिल रहा है। सबसे अहम ये है काउंसिलिंग के बाद कई लाचार बुजुर्गों को संतानों ने आदर, सम्मान और स्नेह देना शुरू कर दिया है जिसके वे हकदार हैं।

और अब बस...

» छत्तीसगढ़ में होली के अवसर पर 121 करोड़ की शराब की बिक्री हुई, केवल रायपुर में ही 58 करोड़ की शराब लोग पी गये....!

» माओवादी 'डाक्टर' का खुलासाः 300 लड़ाकों की नसबंदी की गई, ताड़मेटला से झीरम तक हमले करने वाली बटालियन की डरावनी कहानी सामने आई है ...!

» जंबूरी आयोजन विवाद को लेकर विधानसभा के बजट सत्र में एक बार फिर मामला उठा। विपक्ष ने आरोप लगाया कि टेंडर प्रक्रिया में नियमों में बदलाव कर ठेकेदार को पहले ही काम दे दिया गया, जबकि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने सभी आरोपों से इँकार किया है।

एक नजर

निगम ने गदही तालाब में ग्रीन आर्मी के साथ से चलाया सफाई अभियान

रायपुर, 22 मार्च। आज नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक 8 स्वास्थ्य विभाग के सफाई मित्रों ने जेसीबी मशीन की सहायता से समाज हित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से नगर निगम जोन 8 अंतर्गत माधव राव सप्रे वार्ड 69 अंतर्गत गदही तालाब के किनारे फैले हुए कचरे को एकत्र कर तत्काल उठाकर स्वच्छता कायम करते हुए जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा हेतु विशेष सफाई अभियान ग्रीन आर्मी ऑफरायपुर से सम्बंधित लगभग 20 स्वयंसेवकों की सहायता से रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 के जोन अध्यक्ष प्रीतम सिँह ठाकुर एवं माधव राव सप्रे वार्ड क्रमांक 69 के पार्षद महेन्द्र औसर एवं नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल के मार्गनिर्देशन में नगर निगम जोन 8 जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन और स्वच्छता निरीक्षक रितेश झा की स्थल पर उपस्थिति में चलाया और सरोवर की स्वच्छता के प्रति जन ङ्क जन को जागरूक बनाने अभियान चलाकर और सरोवर में गन्दगी और कचरा नहीं फेंकने और गन्दगी नहीं फैलाने की विनम्र अपील करते हुए जन -जन को स्वच्छ सरोवर का सकारात्मक सन्देश दिया.

कांग्रेस ने अफीम मामले में सरकार से पूछे 6 सवाल

अफीम की खेती का खुलासा संयोग है या सरकार का कृषि के क्षेत्र में नया प्रयोग : दीपक बैज

रायपुर, 22 मार्च। दुर्ग, बलरामपुर के बाद रायगढ़ के तमनार की अफीम की खेती के खुलासे के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने सरकार से सवाल किया है।

» अफीम की खेती शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के गृह जिले दुर्ग में, कृषि मंत्री राम विचार नेताम के गृह जिले बलरामपुर तथा वित्त मंत्री ओपी चौधरी के गृह जिले रायगढ़ में अफीम की खेती होना क्या संयोग मात्र है या भाजपा सरकार का कृषि के क्षेत्र में नया प्रयोग?

» अफीम की खेती का खुलासा जनता ने किया है। जनता ने पुलिस से शिकायत किया, पुलिस और राजस्व अमला क्या कर रहा था?

» अफीम की लहलहाती खेती 15 दिन, 1 महीने में तो तैयार नहीं हुई है, धान की फसल के दौरान जब पटवारी और राजस्व अमला गिरदावरी रिपोर्ट तैयार कर रहे थे तो उन्हें कैसे पता नहीं चला कि खेतों में अफीम लगा हुआ है? अफीम की खेती के गिरदावरी में अन्य फसल तथा सब्जी कैसे लिखा गया?

» दुर्ग में अफीम खेती का सरगना विनायक ताम्रकार के भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ मधुर संबंध थे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रभारी अजय जामवाल, बीएल संतोष, केन्द्रीय मंत्री तोखन साहू, केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, दुर्ग सांसद विजय बघेल, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, गृह मंत्री विजय शर्मा भाजपा संगठन के दर्जनों नेताओं के साथ उसकी फोटो तथा भाजपा के कार्यक्रमो में उसकी सक्रिय सहभागिता बताती है। क्या भाजपा अपने इन नेताओं पर कार्यवाही करेगी?

» भाजपा ने विनायक ताम्रकार को पार्टी से क्यों नहीं निकाला?

» विनायक ताम्रकार को भाजपा क्यों बचाना चाहती है? उसको पुलिस ने मुख्य आरोपी क्यों नहीं बनाया? उसे एफआईआर में तीसरे क्रम पर क्यों रखा गया?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अफीम की खुलेआम खेती प्रदेश के सभी क्षेत्रों में हो रही है। इसका सीधा मतलब है कि इस खेती के पीछे सरकार का संरक्षण है। जो मामले पकड़ा रहे वह जनजागरूकता के कारण पकड़ा रहे, सरकार अफीम की खेती करने वालों को संरक्षण दे रही है।

रसोई गैस पर भाजपा धृतराष्ट्र बनी हुई है : शुक्ला

रायपुर, 22 मार्च। रसोई गैस के लिए जनता परेशान और भाजपा के नेता मोदी की चाटुकारिता में धृतराष्ट्र बने हुए है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि प्रदेश की कोई ऐसी एजेंसी नहीं है जहां सुचारू रूप से गैस मिल रहा हो। भाजपा के हर बड़े-छोटे नेता बड़ी बेशर्मीपूर्वक गैस के संकट को नकार रहे है। भाजपा नेता, जनता के जले पर नमक छिड़क रहे है।

एक तरफसरकार जनता को गैस नहीं दिला पा रही, दूसरी ओर झूठ बोल कर जनता का मजाक बना रहे है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि गैस एजेंसियों में लगी कतारें यदि भाजपा नेताओं को नहीं दिख रही तो उनको अपने नजर और नजरिये दोनों का इलाज कराने की जरूरत है। जब कोई राजनैतिक दल जनता की समस्या से इस प्रकार मुंह मोड़कर जनता को झूठा ठहराने लगती है तो उसकी विदाई तय हो जाती है। कुछ ऐसी ही स्थिति भाजपा की हो गयी है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि लोगों के घर में गैस नहीं होने के कारण चूल्हे नहीं जल रहे और भाजपा कहती है अफवाहों पर ध्यान मत दे। सरकार ने अचानक से कमर्शियल गैस की सप्लाई क्यों बंद कर दिया? अचानक से कमर्शियल गैस की सप्लाई अघोषित तौर पर रोक देने से घरेलू गैस सिलेंडरों का दुरुपयोग हो रहा कालाबाजारी होगी और होटल व्यवसाईयों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा, जिससे कुक्ड फूड के दाम भी प्रभावित हो रहे है। प्रदेश के लगभग आधे रेस्टोरेंट गैस की किल्लत के कारण बंद होने की स्थिति में है।

चॉकलेट के डब्बे में छुपाकर रखी गई नशीली टैबलेट सहित दो गिरफ्तार

रायपुर, 22 मार्च। राजधानी की नॉर्थ पुलिस डिप्टी कमिश्नर टीम ने एक हफ्ते के भीतर दूसरी बार नशीले पदार्थ के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए दो आरोपीयों को गिरफ्तार किया है। गुढ़ियारी थाने की पुलिस की टीम ने मुखबीर की सूचना पर दो युवकों को नशीली टैबलेट सीएसईबी ग्राउंड में बेचने के लिए तैयारी में पकड़ा गया। पूछताछ करने पर उनके द्वारा प्रतिबंधित नशीली टेबलेट को उड़ीसा से लाकर रायपुर में बेचा करते थे

पुलिस टीम के सदस्यों द्वारा आरोपियों को चॉकलेट के डब्बे में छुपा कर रखी गई नशीली टैबलेट सहित गिरफ्तार कर उनके कब्जे से प्रतिबंधित नशीली टेबलेट निट्राजपैम 676 नग तथा घटना में प्रयुक्त 03 नग मोबाईल फोन, 01 नग दोपहिया वाहन एवं 01 नग धारदार बटनदार चाकू जप्त कर गुढ़ियारी थाने में दोनों आरोपियों के खिलाफ NDPS की धारा 22बी एवं 25 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

फॉरवर्ड एवं बैकवर्ड लिंकेजेस के आधार पर पूछताछ कर प्रकरण में संलिप्त अन्य आरोपियों के विरूद्ध भी की जावेगी कार्यवाही। गिरफ्तार आरोपियों में सिद्धू बाघ निवासी त्रिमूर्ति नगर आत्मानंद स्कूल के पास थाना देवेन्द्र नगर रायपुर व रोहित कुमार निवासी FCI गोदाम के पास कलिंग नगर थाना गुढ़ियारी रायपुर है।

लोकतंत्र सेनानी संघ व प्रहरी ने दिल्ली में मनाया लोकतंत्र विजय दिवस

राष्ट्रीय अध्यक्ष व राष्ट्रीय पदाधिकारियों का चुनाव, उपासने पुन: बने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

रायपुर, 22 मार्च। दिल्ली।लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रदेश कार्यालय मंत्री संतोष शर्मा ने बताया की लोकतंत्र सेनानी संघ व प्रहरी ने आज दिल्ली के एन डी एम सी सभा कक्ष में लोकतंत्र विजय दिवस राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार के मुख्य आतिथ्य में मनाया।

देश के तेरह राज्यों से आए लगभग 600 सेनानी व प्रहरियों को संबोधित करते हुए इंद्रेश कुमार ने कहा की आपकी यह जिम्मेदारी है की भावी पीढ़ी को आपको बताना होगा की लोकतंत्र बहाली के संघर्ष में हमारी कैसी भूमिका थी, उन्होंने कहा हमारी मेहनत, संघर्ष व परिश्रम ही भावी पीढ़ी के लिए संकेत देने वाला हो तथा सारे जहां से अच्छा हिंदोस्ता हमारा, था, है, और रहेगा, यही भाव भावी पीढ़ी को देना यही लोकतंत्र की रक्षा की ध्वजा है।

उन्होंने आव्हान किया की आप लोकतंत्र के प्रहरी व सेनानी हैं जिन्होंने देश में एक सुंदर व ऐतिहासिक इतिहास रचा यही भाव आगे भावी पीढ़ी को देना है।राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश सोनी ने कहा आपातकाल के विरुद्ध संघर्ष करने वाली यह पीढ़ी देश को दिशा देने वाली पीढ़ी है, हम संघर्ष के वाहक हैं, राज्य सरकारों के द्वारा यदि हमें सम्मानित किया जा रहा तो इसके पीछे भावी पीढ़ी को यह बताना है की इनसे देश प्रेरणा ले। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

सच्चिदानंद उपासने ने कहा की यदि आज के ही दिन देश के मतदाता मार्च 77 में इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार को अपने एक मत का उपयोग कर लोकतंत्र बहाल न किया होता तो हम जीवन भर जेल में ही रहते, देश में फिर तानाशाही राज होता। यह तो उन सेनानियों की त्याग तपस्या का परिणाम था जिन्होंने इक्कीस माह यातनाएं झेली।उपासने ने प्रस्ताव के माध्यम से केंद्र व राज्य सरकारों से 21मार्च को लोकतंत्र विजय दिवस घोषित कर जिला केंद्रों में सेनानियों के जीवन परिचय संग फोटो सहित लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा युक्त लोकतंत्र विजय स्तंभ बनाए जाकर प्रतिवर्ष इस दिन कार्यक्रम आयोजित किए जाए।

कार्यक्रम | छत्तीसगढ़ में बच्चों के लिए तैयार हो रहा बाल-अनुकूल शिक्षा वातावरण, मित्रता और आत्मविश्वास से जुड़ रहा स्कूल

बाल मैत्री पहल से आंगनबाड़ी से विद्यालय तक बच्चों का सफर हुआ आसान

रायपुर, 22 मार्च। छत्तीसगढ़ में बच्चों के समग्र विकास और सहज शिक्षा वातावरण के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बाल मैत्री कार्यक्रम के रूप में सामने आई है। महिला एवं बाल विकास विभाग और स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयास से शुरू की गई यह पहल आंगनबाड़ी से प्राथमिक विद्यालय तक बच्चों के संक्रमण को सरल और सहज बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम साबित हो रही है।

जीवन के प्रारंभिक छह वर्ष बच्चों के मस्तिष्क और व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को खेल-खेल में प्रारंभिक शिक्षा दी जाती है, लेकिन जब वे पहली बार विद्यालय के औपचारिक वातावरण में प्रवेश करते हैं, तो अक्सर झिझक और संकोच महसूस करते हैं। इसी चुनौती को दूर करने और बच्चों को विद्यालय के माहौल से पहले ही परिचित कराने के उद्देश्य से बाल मैत्री कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 4 से 6 वर्ष आयु वर्ग के

आंगनबाड़ी बच्चों को हर माह निकटवर्ती प्राथमिक विद्यालय का भ्रमण कराया जा रहा है। भ्रमण के दौरान बच्चों को विद्यालय परिसर, शिक्षक और विद्यार्थियों से परिचित कराया जाता है तथा खेल, गीत, चित्रकला और सामूहिक गतिविधियों के माध्यम से उनके बीच मित्रता और आत्मविश्वास विकसित किया जाता है। इससे बच्चों में स्कूल के प्रति सकारात्मक भाव विकसित हो रहा है और वे बिना डर और झिझक के विद्यालय में प्रवेश के लिए तैयार हो रहे हैं।

कार्यक्रम के तहत 20 मार्च को पूरे प्रदेश में एक साथ आंगनबाड़ी बच्चों का विद्यालय भ्रमण कराया गया। इस दौरान प्रदेशभर के विद्यालयों में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। छोटे बच्चों का विद्यालय में आत्मीय स्वागत किया गया और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों तथा विद्यार्थियों ने मिलकर बाल-अनुकूल गतिविधियाँ आयोजित कीं। बच्चों ने नए मित्र बनाए और विद्यालय को अपनेपन के साथ अपनाया। यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित मुख्य सचिव सम्मेलन में दिए गए निर्देशों के अनुरूप शुरू की गई है, जिसमें आंगनबाड़ी और विद्यालयों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया था। छत्तीसगढ़ शासन ने इन निर्देशों को प्रभावी रूप से लागू करते हुए दोनों विभागों के सचिवों द्वारा संयुक्त दिशा-निर्देश जारी कर कार्यक्रम को प्रदेशभर में लागू किया है। बाल मैत्री कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के सर्वोत्तम हित को सुनिश्चित करना, विद्यालयों में सकारात्मक और समावेशी वातावरण तैयार करना तथा प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत बनाना है। यह पहल बच्चों के भावनात्मक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास को नई दिशा दे रही है। छत्तीसगढ़ में शुरू की गई यह अभिनव पहल न केवल बच्चों के लिए विद्यालय को सहज और आनंददायक बना रही है, बल्कि बाल शिक्षा और विकास के क्षेत्र में एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में भी उभर रही है।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26